शर्मा हार्डওয়্যার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 105 | गुवाहाटी | बुधवार, 13 नवंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

हिंदुओं पर जिहादियों के सैकड़ों हमलों की सूची जारी कर विहिप ने चेताया पेज 2
विस उपचुनाव : गौरव गोगोई की दांव पर लगी साख पेज 3
लॉरेंस गैंग के गोल्डी-अनमोल-रोहित को मारने वालों को क्षत्रीय करणी... पेज 5
सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बल्लेबाजी में सुधार करना चाहेगा भारत पेज 7

जिरीबाम में निषेधाज्ञा लागू दो शव भी बरामद, तीन बच्चे, तीन महिला लापता

पुलिस लापता लोगों की तलाश कर रही है : आईजीपी

इंफाल। मणिपुर में पिछले साल भड़की हिंसा के बाद तनाव लगातार बरकरार है। राज्य के जिरीबाम में आज सुबह दो बुजुर्गों के शव बरामद किए गए। हालांकि, हिंसा के बाद सुबह से स्थिति शांत, लेकिन काफी तनावपूर्ण बनी हुई है। संवेदनशील स्थानों पर पुलिसकर्मी गश्त लगा रहे हैं। दरअसल, कल सुरक्षा बलों ने कम से कम 11 संदिग्ध कुकी विद्रोहियों को मार गिराया था। अधिकारियों ने बताया कि जिला प्रशासन ने इलाके में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी है जबकि लापता लोगों का पता लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। वहीं, संदिग्ध उग्रवादियों के मारे जाने के विरोध में पहाड़ी क्षेत्र के कुकी-जो बहुल इलाकों में मंगलवार सुबह पांच बजे से बंद का आह्वान किया गया है। उन्होंने बताया कि असम की सीमा से लगे इस जिले में स्थित सीआरपीएफ की चौकी पर अत्याधुनिक हथियारों से लैस वर्दी पहने संदिग्धों ने हमला किया। हमला के जवाब में फायरिंग में कम से कम 11 कुकी संदिग्ध मारे गए जबकि दूसरी तरफ सीआरपीएफ के भी दो जवान घायल हुए हैं। घायल जवान में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि इस घटना के बाद इंफाल घाटी में कई स्थानों से ताजा हिंसा की सूचना मिली है, जहां दोनों पक्षों के सशस्त्र समूहों के बीच गोलीबारी हुई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लापता लोगों की तलाश के लिए शुरू किए गए अभियान के दौरान लैशराम बालेन और माईबाम केशो के शव जकुराधोर करोंग क्षेत्र में मलबे में पाए गए। इस स्थान पर सोमवार को संदिग्ध उग्रवादियों ने कुछ दुकानों में आग लगा दी थी। उन्होंने बताया कि जुकुराधोर करोंग क्षेत्र में उग्रवादियों द्वारा कुछ दुकानों में आग लगाए जाने के बाद दो बुजुर्गों की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि पांच लोगों के लापता होने की सूचना मिलने के बाद उनकी खोज के लिए अभियान शुरू कर दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि जिरिबाम जिला प्रशासन ने क्षेत्र में किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए निषेधाज्ञा लागू की है। कुकी-जो काउंसिल ने सामूहिक दुख और एकजुटता व्यक्त -शेष पृष्ठ दो पर

भारी कर्ज में देश के कई राज्य, कुल राजस्व का 13 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ ब्याज चुकाने में होगा खर्च

नई दिल्ली। इस बात के कोई संकेत नहीं है कि भारत में राजनीतिक दल मुफ्त की रेवड़ियां बांटने में कोई कमी करेंगे। ऐसे में तेज आर्थिक विकास दर हासिल करने के बावजूद राज्यों पर कर्ज का बोझ कम होने की सूरत नहीं बन पा रही। देश के प्रमुख राज्यों की वित्तीय स्थिति का आकलन बताता है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान इन पर कर्ज का बोझ इनके जीडीपी के मुकाबले 31-32 फीसद बना रहेगा। इन राज्यों पर पिछले वित्त वर्ष के दौरान कुल जीडीपी का 32 फीसद कर्ज रहा था। यह बात आर्थिक शोध एजेंसी क्रिसिल ने मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में कही है। रिपोर्ट के मुताबिक इस वर्ष कुल राजस्व का 13 फीसद हिस्सा तो ये राज्य कर्ज का ब्याज चुकाने में लगा देंगे जो काफी खतरनाक है। वित्त आयोग का कहना है कि कुल राजस्व का 10 फीसद से ज्यादा हिस्सा कर्ज चुकाने में नहीं होना चाहिए। क्रिसिल ने महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान, मध्य प्रदेश, केरल, पश्चिम बंगाल, पंजाब, हरियाणा, झारखंड, गोवा, ओडिसा, छत्तीसगढ़ के बजट पर उक्त रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के सभी राज्यों पर -शेष पृष्ठ दो पर

अब गलत रिफंड का दावा करने वालों की खैर नहीं, आयकर विभाग ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने फर्जी रिफंड दावों पर निशाना साधा है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के मुताबिक, आयकर विभाग ने ऐसे कई करदाताओं को नोटिस जारी किया है, जिन्होंने गलत रिफंड का दावा किया है। लोगों ने कहा कि विभाग ने विशेष रूप से बेईमान व्यक्तियों से संदिग्ध कर रिटर्न और रिफंड दावों की बढ़ती संख्या पर चिंता जताई है। लोगों ने एनडीटीवी प्रॉफिट को बताया कि विभाग ने चार्टर्ड -शेष पृष्ठ दो पर

निर्माणाधीन पुलिया से कार गिरी, चार लोगों की मौत

तिनसुकिया। असम के तिनसुकिया जिले में मंगलवार को निर्माणाधीन पुलिया से एक कार के गिर जाने के कारण उसमें सवार पांच वर्षीय एक बच्चे समेत कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि एक परिवार के छह सदस्यों को ले जा रही कार सुबह करीब चार बजे तिनसुकिया-डिब्रूगढ़ बाईपास पर दिहिंगिया गांव के पास निर्माणाधीन पुलिया से गिर गई। उन्होंने बताया कि वाहन में छह यात्री सवार थे और पांच वर्षीय बच्चे सहित चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें तत्काल उपचार के लिए डिब्रूगढ़ के असम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया है। -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कठिन समय के लिए धन की रक्षा करनी चाहिए।

– **आचार्य चाणक्य**

यदि हम बंटेंगे, तो आलमगीर आलम ही राजा बनेगा : हिमंत

रांची (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री एवं भाजपा के झारखंड सह प्रभारी हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यदि हम बंटेंगे तो आलमगीर आलम ही राजा बनेगा। यदि एक समुदाय के लिए स्कूल शुक्रवार को बंद हो सकता है, तो हिंदुओं के लिए मंगलवार को क्यों नहीं हो सकता? इस सरकार के मालिक आलमगीर आलम जैसे लोग हैं, इसलिए शुक्रवार को स्कूलों को बंद किया जाता है। वे मंगलवार को खिजरी में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। शर्मा ने कहा कि इस बार झारखंड का चुनाव हमारे देश और समाज के लिए महत्वपूर्ण है। झारखंड चुनाव की चर्चा पूरे देश में हो रही है। क्योंकि, यहां घुसपैठ का मुद्दा सबसे बड़ा है। आज रांची में ईडी ने कई जगहों पर रेड की। इसमें घुसपैठियों से जुड़े दस्तावेज बरामद किए गए। आज साहिबगंज और पाकुड़ जैसे जिलों में लगातार घुसपैठियों की संख्या बढ़ रही है। साहिबगंज जिले में मुस्लिमों की संख्या 35 प्रतिशत तक पहुंच -शेष पृष्ठ दो पर

झारखंड में पहले चरण का मतदान आज 43 सीटों पर डाले जाएंगे वोट

रांची। बुधवार, 13 नवंबर को दो चरण के झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण में मतदान के लिए मंच तैयार है, जब 15 जिलों के 43 विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता मतदान के लिए जाएंगे। मैदान में 683 उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर होगी क्योंकि मतदाता इनमें से प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में अपने नए विधायक चुनेंगे। 43 निर्वाचन क्षेत्रों में 17 सामान्य सीटें, 20 अनुसूचित जनजाति के लिए और छह अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। जिन प्रमुख नामों की किस्मत अधर में लटकी हुई है उनमें पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन, स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा और पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास की बहू पूर्णिमा दास शामिल हैं। पहले चरण के चुनाव के लिए प्रचार सोमवार को थम गया। बुधवार को जिन निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान हो रहा है, उनमें पूर्वी सिंहभूम जिले में सबसे अधिक 6 सीटें हैं, इसके बाद पलामू, पश्चिमी सिंहभूम और रांची जिलों में 5-5 सीटें हैं, जबकि कोडरमा और रामगढ़ जिलों में 1-1 सीट है। पहले चरण में सरायकेला, रांची, जमशेदपुर पश्चिम, जगन्नाथपुर और जमशेदपुर पूर्व शामिल हैं। पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन सरायकेला -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

तेलंगाना में अधिकारियों पर हमला, 55 लोग हिरासत में

विकाराबाद (हि.स.)। तेलंगाना के विकाराबाद जिले के ग्राम लगचार्ला में अधिकारियों पर हमले के आरोप में पुलिस ने मंगलवार को 55 लोगों को गिरफ्तार किया। वहीं जिले के अधिकारियों पर हमले के विरोध में राजस्व विभाग के अधिकारियों ने आज राज्यभर में काला बिल्ला लगाकर -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदू व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर सस्पेंड हुए आईएएस अधिकारी

नई दिल्ली। केरल सरकार ने सोमवार को आईएएस अधिकारी गोपालकृष्णन को कथित पर आचरण उल्लंघन के लिए सस्पेंड कर दिया गया। गोपालकृष्णन पर आरोप है कि उन्होंने धर्म आधारित वॉट्सऐप ग्रुप बनाया था। गोपालकृष्णन को मल्लू हिंदू ऑफिसर्स नामक एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया था। निलंबन आदेश में कहा गया है कि सरकार का मानना है कि व्हाट्सएप ग्रुप का उद्देश्य राज्य में अखिल -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस पार्टी लड़ रही है संविधान बचाने की लड़ाई : राहुल गांधी

मुंबई (हि.स.)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गोंदिया में मंगलवार को एक चुनावी सभा में कहा कि कांग्रेस पार्टी संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रही है। इस लड़ाई को कांग्रेस पार्टी हमेशा जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पर वादे पूरा न करने का झूठा आरोप लगाया जा रहा है, जबकि कांग्रेस ने जनता से किए वादे पूरे किए हैं। राहुल गांधी ने गोदिया में महाविकास आघाड़ी के उम्मीदवारों के लिए आयोजित चुनावी सभा में कहा कि देश के संविधान में भगवान बुद्ध, संत बसवेश्वर, महात्मा फुले, महात्मा गांधी, डॉ. अम्बेडकर, -शेष पृष्ठ दो पर

चीन में बेकाबू कार से कुचले 35 लोगों की मौत, 43 घायल

राष्ट्रपति ने कहा- सख्त सजा मिलेगी

बीजिंग। चीन के दक्षिणी शहर झुहाई में सोमवार शाम को स्पोर्ट्स सेंटर के बाहर लोगों के समूह को कार ने टक्कर मार दी, जिससे 35 लोगों की मौत हो गई और 43 अन्य घायल हो गए। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने चीन के झुहाई शहर में कार की टक्कर में घायल हुए लोगों के इलाज के लिए हरसंभव प्रयास करने का वादा किया है। पुलिस का कहना है कि झुहाई शहर में एक ड्राइवर द्वारा भीड़ को टक्कर मारने के बाद 35 लोगों की मौत हो गई और 43 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को बताया कि 62 वर्षीय चालक को हिरासत में लिया गया है। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि यह हमला था या दुर्घटना। किसी कारण का उल्लेख नहीं किया गया और पुलिस ने कहा कि जांच जारी है। -शेष पृष्ठ दो पर

भारत-रूस के बीच 2030 तक सौ अरब डॉलर का व्यापार लक्ष्य संभव : विदेश मंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भुगतान और लॉजिस्टिक्स संबंधित चुनौतियों के बीच भारत और रूस 2030 या उससे पहले 100 अरब डॉलर का व्यापार लक्ष्य हासिल कर लेंगे। हालांकि इसे अधिक संतुलित और अधिक सुविधाजनक बनाने की आवश्यकता है। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर और रूस के उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव ने आज व्यापार, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सांस्कृतिक सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की सह-अध्यक्षता की। इस दौरान अपने शुरुआती वक्तव्य में विदेश मंत्री ने कहा कि भुगतान और -शेष पृष्ठ दो पर

स्विट्जरलैंड में बुर्का-नकाब बैन, मुंह ढकने पर लगेगा मोटा जुर्माना

बर्न। स्विट्जरलैंड ने सार्वजनिक स्थलों पर चेहरा ढकने पर प्रतिबंध लगाते हुए एक नया कानून पारित किया है। यह प्रतिबंध बुर्का, नकाब और अन्य मुंह ढकने वाले परिधानों पर लागू होगा। यह कानून 2021 में हुए जनमत संग्रह के आधार पर लागू किया जा रहा है, जिसमें 51.2 प्रतिशत स्विस मतदाताओं ने सार्वजनिक स्थलों पर चेहरा ढकने के प्रतिबंध का समर्थन किया था। नए कानून के तहत, 1 जनवरी 2025 से स्विट्जरलैंड में सार्वजनिक स्थानों पर मुंह ढकने पर करीब 1,000 स्विस फ्रैंक (लगभग 97,000 रुपए) तक का जुर्माना लगेगा। स्विट्जरलैंड की संसद ने इस कानून को काफी बहुमत से पारित किया। संसद के निचले सदन में यह कानून 151-29 के अंतर से पारित हुआ, जबकि इसे उच्च सदन में पहले ही मंजूरी मिल चुकी थी। इस कानून को संघीय स्तर पर लागू किया जाएगा, जिसका मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करना और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है। नया कानून स्पष्ट रूप से निर्धारित करता है कि सार्वजनिक स्थानों, जैसे कि सड़कों, पार्कों, रेस्तरां, और -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में सैलरी को तरसे लोग, तीन दिन हाईवे ब्लॉक रखा तो जागी सरकार

ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना के पतन के बाद कई संकट एक साथ आ गए हैं। देश की अंतरिम सरकार को इन मुद्दों को सुलझाने में खासा मशक्कत करनी पड़ रही है। कभी प्राइवेट ट्रेन, तो कभी सलाहकारों की नियुक्ति आए दिन किसी न किसी बात पर देश में बवाल हो रहा है। हाल ही में गारमेंट फैक्ट्रियों के मजदूरों ने वेतन न मिलने के विरोध में ढाका-मैमनसिंह राजमार्ग को तीन दिन तक जाम रखा। अधिकारियों के समझाने के बाद मजदूरी ने हाइवे से अपना प्रदर्शन हटा लिया है। अधिकारियों ने उन्हें 30 नवंबर तक बकाया वेतन के भुगतान का आश्वासन दिया है। मंगलवार सुबह सदर उपजिला निरबाही अधिकारी (यूएनओ) इरशाद मिया ने बताया कि फैक्ट्री मालिकों, मजदूर प्रतिनिधियों और श्रम मंत्रालय के सचिव एएचएम सफीकुज्जमां के बीच त्रिपक्षीय बैठक के बाद सोमवार -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

हिंदुओं पर जिहादियों के सैकड़ों हमलों की सूची जारी कर विहिप ने चेताया

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत में जिहादी तत्वों द्वारा हिंदू समाज, उनके उत्सवों और मंदिरों पर लगातार हमले किए जाते रहे हैं। इन हमलों की सूची जारी करते हुए विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के संयुक्त महामंत्री डॉ सुरेंद्र जैन ने कहा कि इन सूचियों से सिद्ध होता है कि जिहादी आक्रांता हैं, पीड़ित नहीं। भारत की कथित सेकुलर व मुसलमीन (जिहादी समर्थक) पार्टियों और नेताओं को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि वे सत्ता के मोह में इन जिहादियों को भड़का कर उनकी हिंसक प्रवृत्तियों को प्रोत्साहन दे रहे हैं और देश को गृह युद्ध की दिशा में ले जाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसलिए जिहादियों को संरक्षण नहीं, सबक सिखाने की जरूरत है। देश के संविधान, कानून, न्यायपालिका तथा राष्ट्रीय सभ्यताओं व परंपराओं का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक के लिए आवश्यक है। यह शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की आवश्यक शर्त भी है। डॉक्टर जैन ने बताया कि 300 से अधिक घटनाओं की ये सूचियां केवल जनवरी 2023 से 2024 की छठ पूजा तक के हमलों व अत्याचारों की है। इस अवधि में भी हुए अत्याचारों और हमलों का भी यह केवल दशांश है। इन हमलों की बर्बरता व क्रूरता तो अमानवीय है ही, उनके तरीके भी मानव कल्पना से परे हैं। आतंक जिहाद, लव जिहाद, लैंड जिहाद, जनसंख्या जिहाद से तो संपूर्ण विश्व त्रस्त है ही, अब थूक जिहाद, पेशाब जिहाद, ट्रेन जिहाद, अवयस्क जिहाद आदि से उनकी गैर मुसलमानों के प्रति नफरत सामने आ रही है। गैर मुसलमानों के प्रति उनकी नफरत कहां से आती है, आज संपूर्ण विश्व के चिंतक इसका जवाब खोज रहे हैं। इन जिहादी हमलों व अत्याचारों की वीभत्सता विश्वव्यापी है। चाहे हमास के हमले हों या बांग्लादेशी जेहादियों के, चाहे कश्मीर में हिंदुओं का नरसंहार हो या बंगाल में हिंदुओं पर हो रहे हमले, इन सब में क्रूरता व वासना का नंगा नाच समान रूप से दिखाई देता है। इनका यही चरित्र मानवता को 1400 वर्षों से त्रस्त कर रहा है। यह दुनिया का सबसे बड़ा आश्चर्य है कि विश्व के सबसे बड़े आक्रांता अपने आप को पीड़ित बताते हैं। विश्व में कहीं इस्लामोफोबिया नहीं है। वास्तव में ये ही काफिरोफोबिया से ग्रस्त हैं। डॉक्टर जैन ने संपूर्ण विश्व की सभ्यताओं का आह्वान किया कि सबको मिलकर इस क्रूर और वीभत्स जेहादी मानसिकता को परास्त करना होगा। उन्होंने कहा कि भारत के कई मौलाना व मुस्लिम नेता जिस प्रकार की मारने-काटने की धमकियां हिंदू समाज को दे रहे हैं, वह उनकी जेहादी मानसिकता के अनुरूप है। लेकिन, उन पर सेकुलर बिरादरी की चुप्पी घोर आश्चर्यजनक है। इसी प्रकार की धमकियां 1946 में भी दी जा रही थीं। क्या ये मौलाना व मुस्लिम नेता भारत में प्रत्यक्ष कार्यवाही जैसा नरसंहार करना चाहते हैं? उन्हें स्मरण रखना चाहिए कि यह 1947 नहीं है। आज हिंदू संगठित है।

चराईदेव में अल्फा-स्वा के दो लिंकमैन गिरफ्तार

चराईदेव (हिंस)। चराईदेव में सुरक्षा बलों ने यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम (अल्फा) स्वाधीन (स्वा) के दो लिंकमैनों को आज गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लिंकमैन की पहचान चराईदेव के बेलेंगबाड़ी के राजू दे और टेंगापुखुरी महन गांव के हेमंत महन के रूप में हुई है। गिरफ्तार किए गए दोनों लोग उल्फा-स्वा के शीर्ष नेता गणेश असोम के लगातार संपर्क में थे। फिलहाल सोनारी थाने में पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है।

हैलाकांदी में सड़ा गला शव बरामद

हैलाकांदी (हिंस)। हैलाकांदी में आज सड़ा गला शव बरामद किया गया। शव हैलाकांदी के कैया चाय बागान से बरामद किया गया। पुलिस ने आज बताया कि शव चाय बागान के अंदर एक घने जंगल के अंदर पाया गया। स्थानीय लोगों ने शव की पहचान आनदाद हाजरा नामक बुजुर्ग के रूप में की है। यह शख्स एक नवंबर से लापता था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। साथ ही शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

जागीरोड में जालसाज गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। जागीरोड पुलिस ने मोबाइल टावर लगाने और नौकरी दिलाने के नाम पर बड़ी रकम गबन करने वाले शातिर जालसाज को गिरफ्तार किया है। जालसाज मकबूल हक ने मोरीगांव जिले के विभिन्न हिस्सों से इस तरह से धोखाधड़ी करके लगभग 15 लाख रुपए हड़प लिए। पुलिस ने गुवाहाटी के लाचित नगर में हुसैन अली के बेटे मकबूल हक के कब्जे से 15 एटीएम कार्ड, तीन मोबाइल फोन और एक आई फोन सहित एक बाइक जब्त की है।

अज्ञात शव

गुवाहाटी। महानगर के जीएमसीएच में पिछले 2 नवंबर को एक व्यक्ति को बीमारी की हालत में भर्ती किया गया। 65 वर्षीय उस व्यक्ति की पहचान गोरेश्वर निवासी महेंद्र वैश्य के रूप में की गई है। गत नवंबर को इलाज के दौरान उस व्यक्ति की जीएमसीएच में मौत हो गई। इसकी सूचना भांगागढ़ थाने को दे दी गई है। अब तक किसी ने महेंद्र वैश्व की पहचान नहीं की है। मृत व्यक्ति को जीएमसीएच के मुर्दाघर में पहचान के लिए रखा गया है।

बिजली की चपेट में आने से बच्चे की मौत

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिले के मायंग के सोट गरजान इलाके में बिजली की तार की चपेट में आने से एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर घर के पास सड़क के किनारे खेल रहा एक बच्चा बिजली की तार के चपेट में आ गया। जिसकी वजह से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृत बच्चों की पहचान अब्दुल हुसैन का चार वर्षीय पुत्र मिनहाजुल के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम बच्चे के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही बरतें जाने का आरोप लगाते हुए घटना की जानकारी जागीरोड सम जिला आयुक्त बिमान दास को दी है। स्थानीय लोगों ने सम जिला आयुक्त से उचित जांच की मांग करते हुए आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। बच्चे की अचानक की मौत की वजह से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गयी है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

संशोधित विकलांगता मूल्यांकन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 13 से

गुवाहाटी (हिंस)। विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण विभाग (डीईपीडब्ल्यूडी), भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से संशोधित विकलांगता मूल्यांकन दिशा-निर्देशों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का पांचवां बैच 13 से 14 नवंबर तक जीएमसी ऑडिटोरियम, गुवाहाटी में आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड और त्रिपुरा में चिकित्सा पेशेवरों को संशोधित विकलांगता मूल्यांकन दिशा-निर्देशों को लागू करने के लिए प्रशिक्षित करना है, जिसमें विकलांगता मूल्यांकन के प्रति समग्र दृष्टिकोण पर जोर दिया गया है। प्रशिक्षण में भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के संयुक्त सचिव राजीव शर्मा, भारत सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय की सहायक महानिदेशक डॉ. रूपाली रॉय और असम के गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के प्राचार्य सह मुख्य अधीक्षक प्रो. (डॉ.) अच्युत चंद्र बैश्य जैसे प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति भाग लेंगे। संबंधित विकलांगताओं के विशेषज्ञ डॉ. शेफाली गुलाटी (एम्स, दिल्ली), डॉ. अरुणाभ चक्रवर्ती (एलएचएमसी, दिल्ली), डॉ. मीना चंद्रा (आरएमएलएच, दिल्ली), डॉ. पंकज वर्मा (सफदरजंग अस्पताल, दिल्ली), डॉ. दिगंत बोरा (एम्स, गुवाहाटी), डॉ. मनुश्री गुप्ता (सफदरजंग अस्पताल, दिल्ली), डॉ. भावना ढींगरा (एम्स, भोपाल), डॉ. हरि प्रकाश पुरी (आरएमएलएच, दिल्ली), डॉ. सत्यरंजन सेठी आईएमएस, गुवाहाटी), बारीकियों पर प्रकाश डालेंगे और संशोधित मूल्यांकन दिशानिर्देशों में उल्लिखित विकलांगताओं पर अपनी अंतर्दृष्टि साझा करेंगे।

No. B/GLP(T)/Offence/GR-23/ 4289

PUBLIC NOTICE

It is for general information that a **Machine Boat** had been seized on **03.10.2024** at **Dubapara (Karkhanaghat) area** at about **05:00 AM** by the Forest Department, Goalpara Division (T), Goalpara for illegally carrying 19 Pcs (4.020m³) Sal timber logs. So far, no claims are received to this office saying that the Boat belongs to any concerned person despite public notice issued on 05.10.2024 by the Seizing Officer. The owner of the Boat is given one **"Last & Final"** opportunity to claim with proper & valid documents within **15 (Fifteen) days** from the date of this notice. If no claim is received within the specified **15** (Fifteen) days time, the Boat will be confiscated to the State of Assam, exparte.

-- Janasanyog / D/8591/24/13-Nov-24

Divisional Forest Officer,
Goalpara Division (T), Goalpara

पृष्ठ एक का शेष

जिरीबाम में निषेधाज्ञा...

करने के लिए मंगलवार को सुबह पांच बजे से शाम छह बजे तक राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों में बंद का आह्वान किया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में भारी गोलीबारी शुरू हो गई और 11 संदिग्ध आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ 40-45 मिनट तक चली, जिसके बाद स्थिति को नियंत्रण में लाया गया। उग्रवादियों की धरपकड़ के लिए अभियान जारी है और असम राइफल्स, सीआरपीएफ तथा पुलिस की अतिरिक्त बलों की टीमों को घटनास्थल पर भेजा गया है। सोमवार शाम को इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व जिलों के विभिन्न गांवों से हिंसक झड़पों की सूचना मिली। बताया जा रहा है कि सीआरपीएफ व पुलिस की संयुक्त टीम के साथ कुकी विद्रोहियों का मुठभेड़ तब शुरू हुआ जब विद्रोहियों ने जिरीबाम में एक पुलिस स्टेशन पर दो तरफ से हमला बोल दिया। पुलिस स्टेशन के बगल में बने रिलीफ कैंप को भी विद्रोहियों ने निशाना बनाने की कोशिश की। इसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी हमला शुरू कर दिया। बताया जा रहा है कि पुलिस स्टेशन पर हमला करने के बाद संदिग्ध कुकी उग्रवादी, उसी एरिया में करीब एक किलोमीटर दूर जकुराडोर करोंग में स्थित एक छोटी बस्ती में फैल गए। इसके बाद उन्होंने घरों में आग लगाना शुरू कर दिया। सुरक्षाबलों को भी निशाना बनाना शुरू किया। सीआरपीएफ ने जिरीबाम में अतिरिक्त फोर्स भेजा है। कुकी सिविल सोसाइटी ग्रुप्स ने अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों को बंद करने का एलान किया है। गोलीबारी के बाद सुरक्षाबलों ने आरपीजी और एके सीरीज के हथियार बरामद किए हैं। जिरीबाम में लगातार तनाव बना हुआ है। उधर पुलिस और सुरक्षा बलों ने तीन महिलाओं और तीन नाबालिगों सहित कुल छह नागरिकों को खोजने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है। ज्ञात हो कि सोमवार को बड़ाबेकरा से सटे जकुराधार केरोंग में गोलीबारी के बाद पांचों लोग लापता हो गए थे। पुलिस महानिरीक्षक (अभियान) आईके मुइवा मंगलवार को राज्य पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कल हुई हिंसा के बारे में जानकारी दे रहे थे। कल की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए आईजीपी ने कहा कि आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों की गोलीबारी रोकने की चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया और हमले को रोके बिना हमला जारी रखा। तब सुरक्षा बलों को इन्हें रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा। करीब 45 मिनट तक दोनों पक्षों के बीच तीखी झड़प हुई। उन्होंने कहा कि इस दौरान सीआरपीएफ का एक अधिकारी घायल हो गया और 10 आतंकवादी मारे गए। इसके अलावा बड़ाबेकरा थाना में बने राहत शिविर में शरण लिए हुए दो नागरिकों की भी मौत हो गई है। आईजीपी मुइवा ने कहा कि घटना के बाद से आठ लोग लापता हैं। उनमें से दो के शव आज सुबह बरामद किए गए। जो लोग अभी भी लापता हैं, उनमें युरेम्बम रानी (60), तेलिम थोइबी देवी (31), उनकी बेटी तेलिम थजामनबी देवी (8), लैशराम हेइतोम्बी देवी (35), उनके दो बेटे लैशराम चिंगखेइंगनबा सिंह (2.5 वर्ष) और लैशराम लमंगनबा सिंह (10 माह) शामिल हैं। हमले के समय वे एक राहत शिविर में रह रहे थे। उन्होंने पुष्टि की कि जिरीबाम जिले के संवेदनशील इलाकों में पर्याप्त संख्या में संयुक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस और सुरक्षा बलों ने लापता व्यक्तियों का पता लगाने के लिए अथक प्रयास किए हैं। आईजीपी मुइवा ने कहा कि हमले के संबंध में मामला दर्ज किया गया है। हम लापता लोगों को ढूंढने और क्षेत्र में सुरक्षा बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विभिन्न कुकी-आधारित संगठनों के दावों के बारे में पूछे जाने पर आईजीपी मुइवा ने उनके दावों का खंडन किया और कहा कि बरामद हथियार और मृतकों के कपड़े साबित करते हैं कि वे आतंकवादी थे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि बड़ाबेकरा थाने के राहत शिविर में 13 लोग शरण लिये हुए थे। उनमें से छह लोग लापता हो गए, पांच को बचा लिया गया और दो हमले में मारे गए। उन्होंने कहा कि शवों के पास से तीन एके सीरीज राइफल, चार सेल्फ-लोडिंग राइफल (एसएलआर), दो इनसस राइफल, एक रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी), एक पंप-एक्शन गन, कई बीपी हेलमेट और कई मैगजीन सहित हथियार और गोला बारूद बरामद किए गए।

भारी कर्ज में देश ...

जितना कर्ज है उसका 95 फीसद उक्त राज्यों पर है। अधिकांश भारतीय राज्य राजकोषीय घाटे की समस्या से जूझ रहे हैं यानी उनके खर्च व राजस्व का अंतर बढ़ता जा रहा है। इनके खर्चे ज्यादा हैं, गारंटीशुदा भुगतान का बोझ बढ़ रहा है और राजस्व संग्रह की वृद्धि की रफ्तार भी खास नहीं है। इन राज्यों पर कुल कर्ज का बोझ चालू वित्त वर्ष के दौरान बढ़ कर 96 लाख करोड़ रुपए होने की संभावना है। क्रिसिल रेटिंग्स के सीनियर डायरेक्टर अनुज सेठी का कहना है कि इस वर्ष राज्यों का राजकोषीय घाटा कुल मिलाकर 1.1 लाख करोड़ रहने की उम्मीद है। ढांचागत विकास, जलापूर्ति, शहरी विकास आदि पर इनकी तरफ से 7.2 लाख करोड़ रुपए खर्च किए जाने की संभावना है। ऐसे में इन्हें 7.4 लाख करोड़ रुपए के नये कर्ज लेने पड़ सकते हैं। पिछले वर्ष 7.1 लाख करोड़ रुपए का नया कर्ज राज्यों ने लिया था। पिछले वित्त वर्ष के दौरान राज्यों पर कुल 84 लाख करोड़ रुपए का कर्ज था। इस पर इनकी तरफ से वर्ष 2024-25 में 4.8-5 लाख करोड़ रुपए का ब्याज देना पड़ेगा। जो इन राज्यों के कुल राजस्व का 13 फीसद है। क्रिसिल ने यह भी कहा है कि कर्ज को लेकर जो स्थिति बन रही है उससे साफ है कि भविष्य में भी इन राज्यों पर वित्तीय बोझ बना रहेगा और इनकी रेटिंग पर भी असर होगा। मोटे तौर पर इस साल के अंत में राज्यों पर कुल कर्ज का बोझ 96 लाख करोड़ रुपए रहेगा जो इनकी जीडीपी (राज्यों की सकल घरेलू उत्पाद यानी इनकी इकोनमी का आकार) 31-32 फीसद रहेगा। इन्हें इस स्थिति से निकलना तभी संभव है जब उम्मीद से ज्यादा राजस्व संग्रह हो या केंद्र की तरफ से मदद मिले।

अब गलत रिफंड ...

अकाउंटेंट और एजेंसियों को लक्षित किया है जो बड़े रिफंड का वादा करते हैं, अक्सर धोखाधड़ी वाले तरीकों का इस्तेमाल करते हुए, उन्होंने कहा कि कई रिफंड दावों में फर्जी खर्च, विकलांगता और चिकित्सा दावे शामिल हैं। देश भर के करदाता हैं शामिल लोगों ने कहा कि नोटिस साल 2021-22 और 2022-23 में हुई धोखाधड़ी के लिए जारी किए गए हैं, जिसमें देश भर के करदाताओं को शामिल किया गया है। लोगों ने कहा कि गुरुग्राम, गाजियाबाद, मुंबई और बेंगलुरु जैसे शहरों में बड़े मामले सामने आए हैं, आयकर विभाग बड़े टैक्स रिफंड दावों की बारीकी से निगरानी कर रहा है। खासकर एक ही सीए या एजेंसी से आने वाले दावों पर और सीए के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। जो एजेंसियां गलत रिफंड का दावा करने के लिए करदाताओं को गुमराह करती हैं।

निर्माणाधीन पुलिया से ...

बिहार का रहने वाला यह परिवार डिब्रूगढ़ से एक विवाह समारोह में शामिल होने तिनसुकिया जा रहा था और यह दुर्घटना हो गई। मृतकों की पहचान मोहन शाह, राजेश गुप्ता, मोंटू शाह और अर्थव गुप्ता (बच्चे) के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि हमारा मानना है कि यह घटना घने कोहरे के कारण सड़क पर दृश्यता कम हो जाने और सड़क पर उचित संकेतक न लगे होने की वजह सेहुई। स्थानीय लोगों ने खास कर अधूरी पुलिया और आधे अधूरे *बाईपास* को लेकर चिंता व्यक्त की है।

यदि हम बंटेंगे...

गई है। प्रदेश में लगातार घुपैठिए बढ़ रहे हैं, जमीनों पर कब्जा किया जा रहा है लेकिन झामुमो-कांग्रेस-राजद की गठबंधन सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। हेमंत सरकार लगातार घुसपैठियों को संरक्षण देने का काम कर रही है लेकिन जब 23 तारीख को एनडीए की सरकार बनेगी तो, एक-एक घुसपैठिए को चुन-चुनकर झारखंड से बाहर निकालने का काम करेंगे। आज झारखंड के कई जिलों में एक विशेष समुदाय के लिए शुक्रवार को स्कूलों को बंद किया जाता है। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा, हेमंत सोरेन सरकार ने पहले युवाओं के लिए 5 लाख नौकरी का वादा किया था लेकिन अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया। युवाओं के 5 हजार बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया लेकिन पूरा नहीं किया। प्रदेश के लोगों को शादी में सोने का सिक्का और 51 हजार देने का वादा किया था लेकिन वो सोना आलमगीर आलम के घर भेजा गया। इसके बाद ईडी ने जब छापेमारी की तो, करोड़ों में नोटों के पहाड़ बरामद हुए। रोजगार देने के नाम पर पेपर लीक किए गए, उन पेपर को लाखों में बेचा गया और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ किया गया। उन्होंने कहा कि आज स्कूलों में शिक्षक नहीं है और अस्पताल में डॉक्टर नहीं हैं। भाजपा ने वादा किया है, जो प्रदेश में 2 लाख 87 हजार पद खाली पड़े हैं उनको भरा जाएगा। गरीब के बच्चों को बिना पर्ची-बिना खर्ची नौकरी देने का काम करेंगे। उन्होने जनता से अपील करते हुए कहा कि अपना वोट बंटना नहीं चाहिए।

झारखंड में पहले चरण...

सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। वह झारखंड चुनाव से पहले अगस्त में भाजपा में शामिल हुए थे। जमशेदपुर पश्चिम में स्वास्थ्य मंत्री और कांग्रेस उम्मीदवार बन्ना गुप्ता का मुकाबला जदयू नेता सरयू राय से है, जिन्होंने 2019 के चुनाव में तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुबर दास को हराया था। जमशेदपुर पूर्व में कांग्रेस उम्मीदवार अजॉय कुमार का मुकाबला पूर्व मुख्यमंत्री रघुबर दास की बहू और भाजपा की पूर्णिमा दास से होगा। इस बीच, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी और भाजपा उम्मीदवार गीता कोड़ा, जगन्नाथपुर में कांग्रेस के सोना राम सिंकू के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं। रांची सीट पर लंबे समय से भाजपा विधायक रहे सीपी सिंह का मुकाबला झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) नेता और मौजूदा राज्यसभा सांसद महुआ माजी से है। राज्य भर में स्थापित 15,344 मतदान केंद्रों पर व्यापक व्यवस्था के बीच 43 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान सुबह 7 बजे शुरू होगा। झारखंड में प्राथमिक मुकाबला झामुमो के नेतृत्व वाले महागठबंधन (महागठबंधन) और भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के बीच है। पहले चरण की 43 सीटों में से झामुमो 23, कांग्रेस 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि लालू प्रसाद यादव की राजद ने पांच सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, इनमें से दो उम्मीदवार गठबंधन के सदस्यों के खिलाफ मैदान में हैं। एनडीए के भीतर, भाजपा 36 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि सुदेश महतो की आजसू ने 4 सीटों पर, नीतीश कुमार की जेडीयू ने 2 सीटों पर और चिराग पासवान की एलजेपी (आर) ने 1 सीट पर उम्मीदवार उतारे हैं।

कांग्रेस पार्टी लड़ ...

छत्रपति शिवाजी महाराज और तमाम संतों के विचार हैं। यह संविधान समानता, प्रेम, सभी धर्मों के सम्मान के बारे में है, लेकिन अगर यह लाल रंग का संविधान दिखाया जाता है तो इसकी आलोचना की जाती है। इस संविधान में कहीं भी लोगों को मारना, अन्याय करना, गरीबों और किसानों पर अत्याचार करना नहीं लिखा है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पर वादे पूरा न करने का झूठा आरोप लगाया जा रहा है, जबकि कांग्रेस ने जनता से किए वादे पूरे किए हैं। छत्तीसगढ़ में धान का 3 हजार रुपए मूल्य देने का वादा पूरा हुआ है। कर्नाटक में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा शुरू की गई है, महालक्ष्मी योजना भी शुरू की गई है। महाराष्ट्र में महाविकास आघाड़ी की सरकार आई तो महिलाओं के बैंक खाते में हर महीने 3000 रुपए जमा किए जाएंगे, किसानों के सोयाबीन, कपास, धान को बाजार में उचित दाम मिले, 25 लाख का स्वास्थ्य बीमा, 4000 का युवा भत्ता दिलाने का प्रयास करेंगे।

चीन में बेकाबू कार ...

सोमवार रात को हुई इस घटना पर कड़ी सेंसरशिप लगाई जा रही है, क्योंकि झुहाई एयरशो मंगलवार को शुरू हुआ था। पुलिस ने व्यक्ति की पहचान केवल उसके पारिवारिक नाम फैन से की, जो चीनी अधिकारियों द्वारा अपनाई जाने वाली प्रथा के अनुरूप है। पुलिस के बयान में कहा गया है कि वाहन ने सोमवार शाम को कई पैदल चल रहे यात्रियों को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में 35 लोगों की मौत हो गई। शिन्हुआ की रिपोर्ट में कहा गया है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कानून के अनुसार अपराधी को सजा देने की भी मांग की। हालांकि, आधिकारिक मीडिया में इस घटना की रिपोर्ट को व्यापक रूप से सेंसर किया गया है, लेकिन एक्स पर पोस्ट किए गए वीडियो में सड़क पर पड़े शवों और मदद के लिए चिल्लाते लोगों का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। राष्ट्रपति शी जिनफिंग ने घायलों के इलाज के लिए हरसंभव प्रयास करने का आदेश दिया और अपराधी को कड़ी सजा देने की मांग की। चीनी सरकार ने मामले से निपटने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए एक टीम भेजी है। चीन में कड़ी सुरक्षा और सख्त कानूनों के कारण हिंसक अपराध कम हैं। हालांकि, बड़े शहरों में चाकू से हमलों की बढ़ती रिपोर्टों ने सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा के बारे में लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। अक्तूबर में बीजिंग में चाकू से किए गए हमले में शहर के शीर्ष प्राथमिक विद्यालयों में से एक के बाहर पांच लोग घायल हो गए थे। एक महीने पहले शेन्जेन में अपने स्कूल के बाहर एक जापानी छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। झुहाई इस सप्ताह चीन के सबसे बड़े वार्षिक एयर शो की मेजबानी कर रहा है, जहां पहली बार एक नया स्टील्थ जेट फाइटर प्रदर्शित किया जाएगा।

भारत-रूस के बीच...

लॉजिस्टिक्स के संबंध में व्यापार में चुनौतियां रही हैं और इस संबंध में उल्लेखनीय प्रगति हुई है लेकिन अभी भी कुछ काम किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा कि भारत-रूस द्विपक्षीय व्यापार 66 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसे अधिक संतुलित और अधिक सुविधाजनक बनाने की आवश्यकता है। व्यापार करना आसान बनाने की आवश्यकता है। कनेक्टिविटी के विषय को महत्वपूर्ण मानते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा, चेन्नई-व्लादिवोस्तोक गलियारा और उत्तरी समुद्री मार्ग को बढ़ाने के संयुक्त प्रयास करने चाहिए। आपसी व्यापार के महत्वपूर्ण क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए हुए विदेश मंत्री ने कहा कि रूस भारत के लिए उर्वरक का एक बड़ा स्रोत बनकर उभरा है। कच्चे तेल, कोयला और यूरेनियम की आपूर्ति वास्तव में महत्वपूर्ण है। इसी तरह, भारत का फार्मास्युटिकल उद्योग रूस के लिए एक किफायती और विश्वसनीय स्रोत बनकर उभरा है। उन्हें विश्वास है कि दोनों देश 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार लक्ष्य हासिल कर लेंगे।

स्विट्जरलैंड में बुर्का-नकाब...

आसानी से पहुंचने वाली इमारतों में किसी भी व्यक्ति को अपना मुंह, नाक या आंखें ढकने की अनुमति नहीं होगी। कानून का उद्देश्य यह है कि स्विट्जरलैंड में सार्वजनिक स्थानों पर हर व्यक्ति की पहचान स्पष्ट रूप से नजर आए। इस कानून के विरोध में मुस्लिम संगठनों ने नाराजगी जताई है। उनके अनुसार यह कानून धार्मिक स्वतंत्रता पर प्रतिबंध जैसा प्रतीत होता है। हालांकि, स्विस सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह कानून किसी विशेष समुदाय को लक्षित नहीं करता बल्कि इसका उद्देश्य देश में सुरक्षा और सामाजिक एकता को बनाए रखना है। स्विट्जरलैंड से पहले बेल्जियम, फ्रांस और कुछ अन्य यूरोपीय देशों ने भी सार्वजनिक स्थलों पर चेहरा ढकने पर प्रतिबंध लगाए हैं। इन देशों ने सुरक्षा और पहचान की स्पष्टता के कारण ये कदम उठाए हैं। इन देशों में इसी तरह के प्रतिबंध पहले से लागू हैं, जो सामाजिक समरसता और सार्वजनिक सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं। स्विट्जरलैंड में इस कानून का आधार 2021 में हुए जनमत संग्रह के नतीजे हैं। इस जनमत संग्रह में जनता का समर्थन मिलने के बाद सरकार ने कानूनी प्रक्रिया के तहत इसे संसद में पेश किया। स्विस मतदाताओं ने 51.2 प्रतिशत मतों के साथ इस कानून का समर्थन किया, जो दर्शाता है कि स्विट्जरलैंड में एक बड़े वर्ग का मानना है कि सार्वजनिक स्थलों पर पहचान की स्पष्टता बनी रहनी चाहिए। जो भी व्यक्ति इस कानून का उल्लंघन करेगा, उसे 1,000 स्विस फ्रैंक तक का जुर्माना देना पड़ेगा। भारतीय मुद्रा में यह राशि लगभग 97,000 रुपए के बराबर है। जुर्माने का उद्देश्य इस कानून को सख्ती से लागू करना और नियमों का उल्लंघन रोकना है।

बांग्लादेश में सैलरी ...

रात 10:30 बजे हाईवे खोल दिया गया है। बैठक में अधिकारियों ने वादा किया है कि अगले रविवार बकाया वेतन की पहली किस्त दे दी जाएगी, जबकि बचे पैसों का भुगतान 30 नवंबर तक किया जाएगा। पिछले दिनों से जारी देश में अस्थिरता के कारण कई कंपनियों का कारोबार प्रभावित हुआ है। बांग्लादेश में कपड़े का कारोबार बड़े पैमाने पर होता है और दुनिया की कई नामचीन कंपनियां यहां से मैन्युफैक्चरिंग कराती हैं। सरकार टीएनजेड अपैरल्स को लोन के रूप में कुल 16 करोड़ टका देगी। इसमें से 6 करोड़ टका केंद्रीय कोष से आएगा और जिसका इस्तेमाल वेतन की पहली किस्त देने में किया जाएगा। शेष 10 करोड़ टका वित्त मंत्रालय देगा, जो शेष बकाया राशि का भुगतान करने में काम आएगा। फैक्ट्री मालिक बाद में यह राशि सरकार को वापस कर देंगे। इसके अलावा दिसंबर से फैक्ट्री की अपनी कमाई से मजदूरों को नियमित वेतन देगी। वेतन की मांग को लेकर हो रहे प्रोटेस्ट में करीब 2 हजार मजदूरों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शन करते हुए मजदूर ने ढाका-मैमनसिंह राजमार्ग को जाम कर दिया, जिसकी वजह से हाइवे पर लंबी-लंबी वाहनों की कतारे लग गई। नारायणगंज बीएससीआईसी के एक अधिकारी मुस्तफिजुर रहमान ने कहा कि क्षेत्र में कम से कम 432 फैक्ट्रीज हैं, जिनमें से ज्यादातर इस प्रदर्शन के कारण बंद रही।

तेलंगाना में अधिकारियों ...

प्रदर्शन किया। विकाराबाद के राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने कार्य का बहिष्कार किया। ग्राम लगचार्ला मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के विधानसभा क्षेत्र कोडंगल में आता है। पुलिस के मुताबिक सोमवार को ग्राम लगचार्ला में फार्मास्युटिकल कंपनी की स्थापना के लिए भूमि अधिग्रहण को लेकर बैठक चल रही थी। बैठक में स्थानीय लोग और जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे। देखते ही देखते यह बैठक मारपीट में बदल गई। आरोप है कि स्थानीय लोगों ने जिले के अधिकारियों पर हमला किया। इस घटना के बाद से लगचार्ला एवं आसपास के इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। एहतियात के तौर पर जिले के डुडयाला, कोडंगल और बोम्रासपेट मंडल में इंटरनेट सेवाएं अगले आदेश तक निलंबित कर दी गई हैं। पुलिस को जांच में पता चला है कि हमला सुनियोजित था। जिला कलेक्टर की कार पथराव से क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों ने जिला कलेक्टर प्रतीक जैन, अतिरिक्त कलेक्टर लिंग्या नायक, उप-कलेक्टर उमाशंकर प्रसाद और कोडंगल क्षेत्र विकास प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी वेंकट रेड्डी पर लाठियों और पत्थरों से हमला किया। इस दौरान कलेक्टर और अतिरिक्त कलेक्टर भागने में सफल रहे लेकिन विशेष कार्याधिकारी वेंकट रेड्डी और अन्य हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने डीएसपी श्रीनिवास रेड्डी पर भी हमला किया। कांग्रेस सांसद चमाला किरणकुमार रेड्डी ने इस हमले की घटना की निंदा की है। उन्होंने आरोप लगाया कि हमले में विपक्षी दल बीआरएस के कार्यकर्ता शामिल थे। उन्होंने कहा कि अच्छा काम कर रही सरकार को रोकने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने केसीआर से सवाल किया कि इस तरह की हरकतों से वे क्या संदेश देना चाहते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अधिकारियों पर हमला करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

हिंदू व्हाट्सएप ग्रुप ...

भारतीय सेवाओं के कैडरों के बीच विभाजन पैदा करना, फूट डालना और एकजुटता को तोड़ना था। आदेश में आगे कहा गया कि अधिकारी का कृत्य प्रथम दृष्टया *अखिल भारतीय सेवाओं के संवर्गों के भीतर सांप्रदायिक संरचना और गुटबाजी* पैदा करने वाला पाया गया। गोपालकृष्णन ने आरोप पर सफाई दी कि उनका मोबाइल फोन किसी ने हैक कर लिया था और किसी दूसरे व्यक्ति ने यह वॉट्सऐप ग्रुप बनाया और उनकी सहमति के बिना उन्हें दो व्हाट्सएप ग्रुप - मल्लू हिंदू ऑफिसर्स और मल्लू मुस्लिम ऑफिसर्स का एडमिन बना दिया। हालांकि, उनकी इस दलील को खारिज कर दी गई। पुलिस ने यह भी पाया कि गोपालकृष्णन ने डिवाइस को फोरेंसिक जांच के लिए जमा करने से पहले कई बार मोबाइल फोन को फैक्ट्री रीसेट किया था। यह विवाद 31 अक्तूबर का है। केरल कैडर के कई आईएस अधिकारियों को अप्रत्याशित रूप से मल्लू हिंदू अधिकारी नामक एक वॉट्सऐप ग्रुप में जोड़ दिया गया। इस ग्रुप में केवल हिंदू अधिकारी ही थे। कई अधिकारियों ने इस ग्रुप को धर्मनिरपेक्ष मूल्यों का उल्लंघन माना। हालांकि, दो दिन बाद ग्रुप को डिलीट कर दिया गया। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने मुख्य सचिव शारदा मुरलीधरन की रिपोर्ट के आधार पर अधिकारी को निलंबित करने का फैसला किया।

विस उपचुनाव : गौरव गोगोई की दांव पर लगी साख

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य की बिहाली विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की साख दांव पर लग गई है। उल्लेखनीय है कि राज्य की पांच विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को होने जा रहे मतदान को लेकर सत्तारूढ़ तथा प्रतिपक्ष के सभी दलों ने अपनी एड़ी चोटी की ताकत लगा रखी है। इसी बीच चुनाव प्रचार समाप्त हो चुका है। दरअसल महज डेढ़ वर्ष की अवधि के लिए होने जा रहे इस चुनाव को भाजपा की पराजय का आगाज बनाने की चेष्टा की जा रही है। 2026 में होने वाले असम विधानसभा के चुनाव का ट्रेलर इस चुनाव परिणाम के साथ लोगों को देखने वाला है। यही वजह है कि सभी दल अपने-अपने तरीके से चुनाव में अपनी पूरी ताकत लगा रहे हैं। सत्तारूढ़ भाजपा तथा कांग्रेस के नेता इस दरमियान दिन रात चुनाव प्रचार करते देखे गए। इसी के बीच राज्य की पांच में से एक बिहाली सीट कांग्रेस में गौरव गोगोई के नेतृत्व क्षमता की परीक्षा से जुड़ गई है।

गौरव गोगोई ने इस सीट को जीतने हेतु अपनी पूरी ताकत लगा दी है। न सिर्फ गौरव गोगोई, बल्कि कांग्रेस में गौरव गोगोई ब्रिगेड के माने जाने वाले सभी नेता बिहाली सीट पर दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बीते लोकसभा चुनाव में तमाम विपक्षी दलों के साथ ही पूरी कांग्रेस के एकजुट प्रयास के बावजूद काफी जद्दोजहद करके गौरव गोगोई जीतने में सफल रहे। पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के पुत्र गौरव गोगोई को यह चुनाव जीताने के लिए संपूर्ण विपक्ष लग चुका था। इस सीट पर जीतना कांग्रेस के साथ ही सभी विपक्षी दलों के लिए असम में अपना अस्तित्व बचाना लोकसभा चुनाव के दौरान माना जा रहा था। गौरव गोगोई चुनाव जीत गए। लेकिन, चुनाव जीतने के बाद ही गौरव गोगोई भस्मासुर की भूमिका में आ गए। लोकसभा चुनाव में गौरव को जीताने के लिए अपनी पूरी ऊर्जा लगा देने वाले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा को अध्यक्ष पद से हटाने की मुहिम में गौरव गोगोई जीतने के पहले दिन से ही लग गए। उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के नेतृत्व में विपक्ष ने महागठबंधन तैयार किया था। इस महागठबंधन को लोकसभा चुनाव के दौरान ही कांग्रेस के नेताओं ने ठेंगा दिखा दिया था। भूपेन बोरा की कोशिशों के बावजूद विपक्षी गठबंधन में बिखराव आ गया। यही वजह थी कि जोरहाट के अलावा राज्य की सिर्फ दो मुस्लिम बहुल सीटें ही कांग्रेस जीत सकी। भूपेन बोरा चाहकर भी गठबंधन को संभाल नहीं सके। आसन्न विधानसभा उपचुनाव को लेकर गठबंधन में यह तय हुआ था कि चार सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवार खड़े करेगी, जबकि 5वीं बिहाली सीट पर सीपीआईएम की ओर से गठबंधन का उम्मीदवार खड़ा किया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा की इस घोषणा के विरुद्ध कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई खुलकर मैदान में सामने आ गए। न सिर्फ भूपेन बोरा को गठबंधन के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने को बाध्य कराया, बल्कि बिहाली सीट पर भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आए जयंत बोरा को गौरव गोगोई ने उम्मीदवार बनवाया। वहीं दूसरी ओर, गौरव गोगोई ब्रिगेड के नेता चुनाव के दौरान यह प्रचार करते रहे कि 2026 में गौरव गोगोई असम के मुख्यमंत्री बनेंगे। गौरव गोगोई ब्रिगेड के नेता फिलहाल यह सरेआम प्रचार कर रहे हैं कि विधानसभा उपचुनाव के बाद गौरव गोगोई प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बनाए जाएंगे। यही वजह है कि बिहाली सीट के साथ गौरव गोगोई की साख जुड़ गई है। यदि कांग्रेस बिहाली सीट जीत लेती है तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा की कुर्सी निश्चित ही खतरे में आ जाएगी। वहीं, यदि बिहाली सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार की पराजय होती है तो गौरव गोगोई बेताज बादशाह बनकर ही रह जा सकते हैं।

पांच जमीन दलालों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। पुलिस ने पांच जमीन के दलालों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में सोनापुर ग्राम पंचायत के पूर्व अध्यक्ष नूर अहमद लस्कर, जातीयतावादी संगठनों के नेता अख्तर हुसैन, अबू कौसर, तफजुल अली और दौलत अली शामिल हैं। कचुतली में अतिक्रमणकारियों को कथित तौर पर इन लोगों द्वारा बसने में मदद की जाती है और आदिवासी बेल्ट में जमीन की खरीद और बिक्री में भी दलाली की जाती है। पूरी प्रक्रिया का नेतृत्व सोनापुर ग्राम पंचायत के पूर्व अध्यक्ष नूर अहमद लश्कर ने किया, जो छह महीने पहले कांग्रेस से सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हुए थे। अध्यक्ष ने अपने कार्यकाल में इन अवैध अतिक्रमणकारियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर दिलाए थे। उन्हें बिजली का कनेक्शन भी मिल गया। पूरी घटना पिछले महीने सामने आई जब कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन ने इन अतिक्रमणकारियों को बेदखल कर दिया।

अगरतला रेलवे स्टेशन पर प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का उद्घाटन आज

गुवाहाटी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 नवंबर को विभिन्न स्थानों पर 18 प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों का उद्घाटन करेंगे। वह दरभंगा से इन जन औषधि केंद्रों का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। चयनित इन 18 स्थानों में पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत त्रिपुरा का अगरतला रेलवे स्टेशन भी है। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र, भारत सरकार द्वारा विशेष दुकानों के माध्यम से सभी के लिए विशेष रूप से गरीब और वंचितों के लिए कम कीमत पर गुणवत्ता वाली दवाएं उपलब्ध करने के लिए शुरू किया गया एक अभियान है, ताकि स्वास्थ्य सेवा में जेब खर्च को कम किया जा सके। जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र स्टोर स्थापित किए गए हैं, जहां यह कम कीमत पर उपलब्ध हैं। लेकिन ये गुणवत्ता और प्रभाव में महंगी ब्रांडेड दवा के बराबर हैं। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का मुख्य उद्देश्य *सस्ती कीमत पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं* उपलब्ध कर भारत के प्रत्येक नागरिक के स्वास्थ्य देखभाल बजट को कम करना तथा इसकी स्थापना अधिक भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर की जा रही है। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र की स्थापना अगरतला रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 01 से सटे कॉनकोर्स क्षेत्र में की जा रही है, जिसका आकार 2.5 मीटर इनटू 4.5 मीटर है। अगरतला में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र का कुल क्षेत्रफल 11.25 वर्ग मीटर है। यह यात्रियों के साथ-साथ आम लोगों के लिए भी आसानी से सुलभ होगा और समाज के सभी वर्गों के लिए बेहद फायदेमंद होने की संभावना है।

अभाविप ने बी बरुवा कॉलेज में समूहों का किया गठन

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के प्रमुख शैक्षणिक संस्थान बी बरुवा कॉलेज में अखिल आज आखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के कॉलेज समूहों का गठन किया गया। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के असम प्रदेश सचिव और गुवाहाटी शहर के संगठन सचिव हेरोल्ड मोहन और शहर के अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए। छात्रों को कॉलेज के स्नातक और उच्चतर माध्यमिक छात्रों के दो समूहों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव सहित कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गईं। एक ग्रुप के अध्यक्ष के रूप में स्नेहा मजूमदार तथा सचिव का दायित्व ऋषिकेश डेका को दिया गया। जबकि, दूसरे ग्रुप का अध्यक्ष लियन महंत तथा सचिव नेहा दास को बनाया गया।

मारवाड़ी हिंदी पुस्तकालय की सभा में लिए गए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव

गुवाहाटी (विभास)। श्री मारवाड़ी हिंदी पुस्तकालय की एक सभा अध्यक्ष विनोद रिंगानिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव को पारित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष विनोद रिंगानिया ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि श्री मारवाड़ी हिंदी पुस्तकालय गत विजय दशमी के दिन सौ वर्ष के पायदान में अपना कदम रख लिया है। अतः यह वर्ष पुस्तकालय के लिए अति महत्व पूर्ण है। सभा में पुस्तकालय की द्विमासिक संवाद पत्र शब्द संदेश के प्रथम अंक का विमोचन पूर्व अध्यक्ष अनिल जैना के कर कमल से किया गया। इस संवाद पत्र की संपादक अंशु सारडा भी विमोचन के अवसर पर उपस्थित थी। सभा में महत्वपूर्ण कार्यक्रम के बारे में चर्चा करते हुए आगामी 23 फरवरी को हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। जिसके कार्यक्रम संयोजक ताराचंद ठोलिया को नियुक्त किया गया। उन्होने सभा में जानकारी दी कि इस हास्य कवि सम्मेलन में हास्य रस कवि हरीश हिंदुस्तानी, महेश दुबे, सर्वेश आस्थाना, राजेश चेतन और वीर रस के कवि योगेंद्र शर्मा उपस्थित रहेंगे। सभा में पुस्तकालय के नियमित संचालन हेतु कोष संग्रह के लिए दान पत्र योजना पर भी चर्चा हुई।

डिमा हसाओ के अधिकारियों ने सहकारी मॉडल से सीखने के लिए बोड़ोलैंड का दौरा किया

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। डिमा हसाओ, हाफलोंग के सहयोग विभाग और लार्ज एरिया मल्टी-पर्पज सोसाइटीज (एलएएमपीएस) सी.एस. लिमिटेड के बोर्ड सदस्यों का 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बोड़ोलैंड के दो दिवसीय दौरे पर है। इस यात्रा का उद्देश्य बोड़ोलैंड में सफल सहकारी समितियों और व्यापार मॉडल का अध्ययन करना और उनसे जानकारी हासिल करना है। एसआरसीएस (ए) की आइरीन लाहोंग के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल में प्रमुख अधिकारी और बोर्ड के सदस्य शामिल हैं। उनके कार्यक्रम में एडिशनल के कार्यालयों का दौरा शामिल है। सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार सह सीएचडी, कोकराझाड़, और डीआरसीएस, चिरांग, साथ ही बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में कई सहकारी समितियां, जैसे रिफाइनरी कंज्यूमर सीएस लिमिटेड, ढालीगांव, घोषकाटा में मोती खेती केंद्र, और विभिन्न प्राथमिक कृषि ऋण समितियां (पीएसीएस)। बीटीसी के सहकारिता के सीएचडी, जयंत खेरकटारी ने प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया और बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोरो और बीटीसी के कार्यकारी सदस्य उकील मुचाहारी के नेतृत्व में क्षेत्र में सहकारी आंदोलन को मजबूत करने के लिए विभाग की पहलों की जानकारी दी। उन्होंने मोती की खेती, बहु-फसल और मॉडल पीएसीएस आदि जैसी सफल परियोजनाओं पर प्रकाश डाला। दीमा हसाओ के प्रतिनिधिमंडल ने गर्मजोशी से भरे आतिथ्य और बोड़ोलैंड की सहकारी सफलता की कहानियों से सीखने के अवसर के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की। वे इस यात्रा से प्राप्त ज्ञान को अपने क्षेत्र में सहकारी आंदोलन को बढ़ाने के लिए लागू करने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने इस यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए उत्तरी कछार हिल्स स्वायत्त परिषद के ईएम प्रभारी सहकारिता, सैमसिंग तेरांग और उत्तरी कछार हिल्स स्वायत्त परिषद के प्रधान सचिव, टीटी दौलागुपु के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से श्याम जन्मोत्सव पर निकाली भव्य निशान पदयात्रा

गुवाहाटी/होजाई/नगांव(विभास)। होजाई के सांवरिया भक्त मंडल के बैनरतले आज श्याम जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर विशाल निशान पद यात्रा निकाली गई। उक्त अवसर पर आयोजित विशाल निशान पद यात्रा का शुभारंभ होजाई थाना के प्रभारी दंडाधर चौधरी द्वारा श्याम ध्वज दिखाकर किया गया। इस दौरान निशान पदयात्रा में भारी संख्या में मातृशक्ति, बच्चे, युवा एवं पुरुष हाथों में श्याम ध्वज लिये जय श्री श्याम के नारों के साथ आगे-आगे बढ़ रहे थे। इस संवाददाता से बात करते हुए सांवरिया भक्त मंडल के ललित बोड़ा ने बताया की निशान यात्रा श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर से प्रारंभ होकर कृष्णा नगर, कॉलेज रोड, जे के केडिया रोड से नया बाजार के श्री बालाजी दुर्गा बाबोसा मंदिर तक पहुंची। उन्होंने बताया कि देवउठनी एकादशी के दिन बाबा श्याम का जन्मोत्सव सभी श्याम प्रेमी हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। उन्होंने आगे जानकारी दी कि बुधवार को सांय के समय बाबा की पावन ज्योत प्रज्ज्वलित की जाएगी। जिसमें भक्त बारी-बारी से बाबा का जयकारा लगाते हुए ज्योत लेंगे तत्पश्चात भव्य भजन संध्या *मेरे श्याम आएंगे* का आयोजन किया जाऐगा जिसमें सिलीगुड़ी से आमंत्रित कलाकार आयुष और पीयूष व गोलाघाट से हर्षित खेतान उपस्थित रहकर बाबा के दरबार में भजनों की गंगा बहाएंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सांवरिया भक्त मंडल के सभी सदस्यों ने सभी श्याम भक्तों से अनुरोध किया है की ज्यादा से ज्यादा संख्या में उक्त धार्मिक कार्यक्रम में उपस्थित रहकर हारे के सहारे बाबा श्याम का आशीर्वाद लें एवं घर में सुख, शांति व समृद्धि हेतु प्रार्थना करें व कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग दें। **गुवाहाटी** से हमारी संवाददाता के अनुसार गांधी बस्ती स्थित शुभम एलिट सोसाइटीज के श्याम भक्तों ने श्याम भरोसे नामक संस्था के बैनर तले श्याम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में श्याम निशान यात्रा निकाली। जो गांधी बस्ती से नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गो से होते हुए श्याम मंदिर में समापन हुई। **नगांव** से हमारे संवाददाता के अनुसार कलयुग अवतारी श्री श्याम बाबा के जन्मोत्सव के उपलक्ष में श्री श्याम परिवार नगांव के तत्वावधान में आज विशाल श्याम निशान यात्रा निकाली गई। सुसज्जित रथ पर बाबा श्री श्याम का दरबार बैठाया गया और पूजा अर्चना के बाद ज्योति प्रज्ज्वलित की गई। श्री श्याम निशान की पूजा करने के बाद सभी निशान यात्रीयो ने जयोति में अपनी अपनी आहुति प्रदान कर श्रद्धा-भाव बाबा को व्यक्त किया और अपनी मनोकामना प्रगट की। बढ़मपुर स्थित विश्वविख्यात महामृत्युंजय मंदिर से श्री श्याम निशान यात्रा आरंभ हुई और तीन पडाव में विश्राम करते हुए संध्या आरती से पहले खुटिकटीया स्थित श्री श्याम धाम मंदिर पहुच कर सभी भक्तो ने निशान श्री श्याम बाबा को अर्पित किया। इससे पहले प्रात: 9 बजे निशान यात्रा श्री महामृत्युंजय मंदिर से जय श्री श्याम के जयकारो के साथ नगांव श्री श्याम धाम के लिए रवाना हुई। आगे आगे सुसज्जित रथ पर बाबा का दरबार, पिछे पिछे भक्तगण निशान लेकर नाचते झुमते चल रहे थे। कुल 14 किलोमीटर की यात्रा में पहला पडाव युरियगांव पेट्रोल पंप पर था। यहां सभी यात्रीयो के लिए जलपान की वयवस्था थी। दूसरा पडाव बजरंग आटो कार वर्ल्ड में था। यहा सभी ने भोजन लिया व व्रत धारियो के लिए फलाहार की व्यवस्था थी। तीसरा पडाव हैबरगांव स्थित सेठ लालचंद तोदी विवाह भवन में था। यहां से यात्रा आगे बढते हुए श्री श्याम धाम मंदिर पहुंची। इस समय श्री श्याम नाम के जयकारो से सारा वातावरण भक्तिमय हो गया। तत्पश्चात मंदिर में संध्याकालिन आरती हुई। बाबा श्री श्याम के जन्मोत्सव पर आज मंदिर जगमग लाइटो की रोशनी से जगमगा रहा था। बाबा का व मंदिर का फुलो से भव्य श्रृंगार आकर्षित कर रहा था। आरती के बाद श्री श्याम सेवा समिति के तत्वावधान में भजनो का विशेष कार्यक्रम आरम्भ हुआ। इस भजन कार्यक्रम में मुबंई से प्रमोद त्रिपाठी और लाड्नु (राजस्थान) से कृष्णा दोलावत को आमंत्रित किया गया था। भजनो के कार्यक्रम में भक्तगण भावविभोर होकर नाच रहे थे। रात्रि प्रसाद की व्यवस्था भी मंदिर परिसर में श्री श्याम सेवा समिति की ओर से की गई थी। समाचार भेजे जाने तक आमंत्रित कलाकारो द्वारा भजनो का कार्यक्रम चल रहा था।

दक्षिण पश्चिम रंगिया आंचलिक रास महोत्सव का शुभारंभ 15 को

रंगिया (विभास)। हर वर्ष की तरह इसबार भी रंगिया के महखोली स्थित श्री श्री हरि मंदिर प्रांगण में दक्षिण पश्चिम रंगिया आंचलिक रास महोत्सव का व्यापक आयोजन किया गया है। इसवर्ष इसका आयोजन सात दिवसीय कार्यक्रमो के साथ किया जाएगा जोकि आगामी 15 नवंबर से प्रारंभ होकर 21 नवंबर तक चलेगा। मंदिर प्रांगण में महोत्सव की तैयारियां जोर शोर से की जा रही है। वहीं इसके सफल संचालन के लिए गत दिनों मंदिर प्रांगण में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता को अध्यक्ष के साथ ही कार्यवाहक अध्यक्ष अरविंद बैश्य, उपाध्यक्ष उद्धव दास, अमृत चौधूरी, हरेश्वर दास, हितेश्वर कलिता, महा सचिव-पंकज डेका, संयुक्त सचिव प्रणव वैश्य और परेश डेका, सह-सचिव प्रदीप बैश्य और जयंत वैश्य सहित विभिन्न विभागीय उप-समितियों को लेकर एक पूर्णांग समिति का गठन किया गया। इस मौके पर दक्षिण पश्चिम रंगिया आंचलिक हरि मंदिर समिति के मुख्य सलाहकार गोलोक चंद्र वैश्य, अध्यक्ष बिनंद राम कलिता, उपाध्यक्ष समिन्द्र नाथ वैश्य, बापूकण चंद्र कलिता, जयराम हालोई, सचिव करुणा बोड़ो, सह सचिव त्रैलोक्य कलिता, मुकेश लहकर, पवित्र वैश्य, कार्यालय सचिव जयंत वैश्य, सांगठनिक सचिव ध्रुव ज्योति वैश्य, वित्त सचिव खनिंद्र कलिता एवं सभी सदस्यगण और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। वहीं महोत्सव के अंतर्गत प्रथम दिन मंदिर का ध्वजारोहण, रास ध्वजा उत्तोलन, वार्षिक ध्वजा उत्तोलन, आयोजन समिती के कार्यालय का उद्घाटन, स्मृति तर्पण, श्रद्धांजलि कार्यक्रम एवं पौध रोपण, प्रीति भोजन, प्रतिमा की स्थापना, प्रतिमा प्रदर्शनी का द्वार उन्मोचन, रास महोत्सव का मुख्य द्वार उन्मोचन, हरि मंदिर में दीप प्रज्ज्वलन, आतिश बाजी प्रज्ज्वलन के साथ संध्या 6 बजे पूजा प्रारंभ की जाएगी। इसके अलावा स्थानीय नगाड़ा नाम दल द्वारा नाम का परिवेशन और रात्रि 10 बजे सामुहिक महाशांति व प्रसाद वितरण किया जाएगा। वहीं महोत्सव के विभिन्न दिवस पर दैनिक रूप से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किए जाने की जानकारी आयोजन समिति की ओर से दी गई है।

No. UDB/Tender /01/2022-23/ Date: 06/11/2024

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non- refundable Court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & twenty five paisa) only with a validity period of 180 Days which will subsequence to be converted and drawn up in the printed of F- 2 form are invited form the registered contractors of Class –II and Class –I (A,B, & C) category of Assam PWD (Road & Building) and BTC according to their eligibility for submitting tenders for the works under SOPD & various schemes under BTR for the year 2023-24 & other financial years as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to 12.00 Noon on 06/12/2024 and will be opened on the same date & place at 2.00 P.M.

Sl. No.	Name of work	Tender Amount (In Rs.)	Cost of Tender Paper	Time of Completion of Work
1	Const of smart fencing near All Anchalik Bathou Mahasabha Udalguri community Hall Udalguri under Cultural Affairs Department(SOPD) for 2024-25	8,00,000.00	Rs.500.00	3(three) months from the issue of Formal Work Order
2	Const of drinking water project in Udalguri Civil Hospital	19,09,000.00	Rs.500.00	3(three) months from the issue of Formal Work Order

Detailed N.I.T. may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized agents from 13/11/2024 to 06/12/2024 in the office of the undersigned on payment.

Sd/-
Block Development Officer
Udalguri Development Block

IPR(BTC)-2023-24/858

गुवाहाटी में हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी पुलिस ने हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। एक गुप्त सूचना के आधार पर आज दोपहर असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) द्वारा बशिष्ठ थाना क्षेत्र के खानापाड़ा में छापेमारी की गई और एक शातिर ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया। उक्त छापेमारी में संदिग्ध हेरोइन युक्त 21 शीशियां बरामद हुईं, जिनका वजन 28 ग्राम है। तस्कर के पास से 340 रुपए नकद तथा एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान राहुल पातिर (23) के रूप में हुई है। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं।

No. BWRD/NIT-I/2017/876 Dated 01/11/2024

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender in prescribed form (no tender in cyclostyled copy/carbon copy photo copy will be accepted) to be eventually drawn in APWD form of F-2/H (as the case may be) affixing non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight and paise twenty five) only in single group/package are hereby invited from the registered contractors/firms under W.R. Deptt. or Addl. Chief Engineer, Kokrajhar Zone, W.R. Deptt. B.T.C. Kokrajhar for following works.

The tender paper will be received by the undersigned in his office up to 2.30 P.M. on 22nd Nov./2024 and will be opened on same date, place, time and hours. If the date of receiving opening tender happens to be holiday/bandh or if it is not possible to receive tenders in stipulated date for any reasons the next working day will be considered as last date of receive /opening tender.

Detailed N.I.T, plan & specifications of works, items, terms and conditions, group list etc. for the work may be seen in the office of the undersigned during office hours on any working day up to 2.00 P.M. of 22nd Nov./2024.

Detailed tender paper for each group/package may be obtained from the office of the undersigned on payment of Rs. 500.00 (Rupees five hundred) only (Non-refundable) in the form through I.P.O/Bank draft duly pledged to the undersigned payable at Mushalpur Treasury, Baksa during office hours on all working days up to 2.00 P.M. of 22nd Nov./2024.

The tenderer or their authorized representative may remain present at the time of opening
the Tenders.

Name of the Scheme:- Construction of embankment on L/B of river Mara Pagladia at village Ashramchupa under SOPD (BTC) for 2023-24. **Value of work (Rs. 11,93,000.00)**

A) Time for completion work:- 30 (thirty) days from the date of issue of work order.

Sd/-
Executive Engineer,
Baksa W.R. Division, Mushalpur

IPR(BTC)/C/2024-25/855

संपादकीय

जलवायु कोष का सम्मेलन

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन का सालाना सम्मेलन 'कॉप 29' अजरबेजान की राजधानी बाकू में 11 नवंबर से शुरू हुआ है। सम्मेलन और संवाद करीब 15 दिनों तक चलेंगे। सम्मेलन का बुनियादी थीम 'वित्तपोषण' तय किया गया है। करीब 15 साल के बाद जलवायु कोष और संसाधनों के दिशा-निर्देश तय किए जाएंगे। जलवायु परिवर्तन के क्रांतिकारी प्रयास निरंतर जारी रहें, उनके लिए आर्थिक संसाधनों की ऐसी चिंता पहली बार की गई है। यह सिर्फ विकासशील, गरीब, पिछड़े देशों की ही समस्या नहीं है, बल्कि बड़े और विकसित देश भी चक्रवात, तूफान, बाढ़ जैसी बारिश, मरुस्थल जैसे सूखे और बढ़ती गर्मी को झेलते रहे हैं। वहां भी व्यापक नुकसान होता है, लोग हताहत होते हैं। जलवायु की गर्मी और निरंतर परिवर्तन वैश्विक समस्या है। जब 'कॉप 29' का सम्मेलन आरंभ हुआ है, तब दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमरीका में डोनाल्ड ट्रंप नए राष्ट्रपति चुने गए हैं। ट्रंप ने पिछले कार्यकाल में 'पेरिस जलवायु समझौते' को खारिज करते हुए अमरीका को उससे अलग कर लिया था। इस बार जब राष्ट्रपति ट्रंप का दूसरा कार्यकाल शुरू होगा, तब भी अमरीका की सोच और रवैया पूर्ववत ही होगा, ऐसे संकेत मिल रहे हैं। 'कॉप 29' के सामने अनिश्चित भविष्य और वित्तीय संकट हैं। जलवायु परिवर्तन के 2009 के 'कोपेनहेगन सम्मेलन' के दौरान तय किया गया था कि विकसित देश 2020 तक 100 अरब डॉलर प्रति वर्ष का कोष जुटाएंगे। उससे कमजोर, गरीब, विकासशील देशों की मदद की जाएगी, ताकि वे जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों को संबोधित कर सकें। 2022 तक लक्ष्य आंशिक तौर पर ही हासिल किया जा सका। इस दौरान 'ग्लोबल साउथ' के वित्तीय बोझ उससे कई गुना बढ़ गए, जिसके अनुमान 'कोपेनहेगन सम्मेलन' के दौरान लगाए गए थे। 'कॉप 29' बाकू में नया वित्तीय लक्ष्य तय करेगा। चूंकि अमरीका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और सबसे अधिक 'ग्रीन हाउस गैसों' का उत्सर्जन भी करता है, लिहाजा अमरीका को अपनी जिम्मेदारियों से भागना नहीं चाहिए। यदि ऐसा होता है और अमरीका जलवायु परिवर्तन समझौते से अलग रहता है, तो 'कॉप 29' के लक्ष्यों को पूरा नहीं किया जा सकता। इस बार चीन और खाड़ी देशों के वित्तीय योगदान के भी प्रयास किए जा रहे हैं। जो देश ऐसे योगदान से इंकार करते रहे हैं, क्योंकि उन देशों के लिए जलवायु संकट के हालात नहीं हैं, उनसे भी आर्थिक मदद मांगी जाएगी। उन देशों का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अमीर पश्चिमी देशों की तुलना में नगण्य-सा है। तेल और गैस का योजनाबद्ध विस्तार का आधे से ज्यादा हिस्सा पांच अमीर देशों का ही है। यह गौरतलब रहेगा कि बाकू सम्मेलन के दौरान भू-राजनीतिक न्याय, विकास और कर्ज सरीखे मुद्दों पर क्या संवाद होता है और क्या निष्कर्ष सामने आते हैं? लेकिन यह बिल्कुल ही 'विनाश और अंधकार' की स्थिति नहीं है। 'कॉप फेमवर्क' के समानांतर निजी क्षेत्र ने भी अपनी प्रतिबद्धताएं निभाई हैं। सरकारों और जनहितैषी वर्ग ने भी काम किए हैं। नवीकरणीय ऊर्जा पहले की अपेक्षा सस्ती है। सौर ऊर्जा भी पिछले दशक की तुलना में 90 फीसदी सस्ती हुई है। बैटरी भंडारण और पवन ऊर्जा में भी नाटकीय सुधार हुए हैं। चीन का उत्सर्जन चरम पर पहुंच चुका है और अब दशक के अंत तक कम होना शुरू हो जाएगा। फिर भी ये विकास, सुधार और प्रयास जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के सामने 'बौने' हैं। बाकू सम्मेलन इस मुद्दे पर बंटे हुए विश्व को एकजुट करने का प्रयास साबित होगा, वैश्विक हित सामूहिक होंगे, यह 15 दिन के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। इस बार सम्मेलन ज्यादा मजबूत आधार पर शुरू हुआ है, संवाद भी सशक्त रूप से होंगे। अभी तक कॉप के प्रतिनिधि एक खास तरह का कोष गठित करने पर सहमत हुए हैं। भारत यह मांग करने में अग्रसर रहा है कि देशों को 2030 तक एक ट्रिलियन डॉलर का कोष जुटाना चाहिए। भारत और चीन समेत कई देश जलवायु कोष को लेकर सख्त संवाद कर सकते हैं।

> जलवायु परिवर्तन के क्रांतिकारी प्रयास निरंतर जारी रहें, उनके लिए आर्थिक संसाधनों की ऐसी चिंता पहली बार की गई है। यह सिर्फ विकासशील, गरीब, पिछड़े देशों की ही समस्या नहीं है, बल्कि बड़े और विकसित देश भी चक्रवात, तूफान, बाढ़ जैसी बारिश, मरुस्थल जैसे सूखे और बढ़ती गर्मी को झेलते रहे हैं। वहां भी व्यापक नुकसान होता है, लोग हताहत होते हैं। जलवायु की गर्मी और निरंतर परिवर्तन वैश्विक समस्या है। जब 'कॉप 29' का सम्मेलन आरंभ हुआ है, तब दुनिया के सबसे ताकतवर देश अमरीका में डोनाल्ड ट्रंप नए राष्ट्रपति चुने गए हैं। ट्रंप ने पिछले कार्यकाल में 'पेरिस जलवायु समझौते' को खारिज करते हुए अमरीका को उससे अलग कर लिया था।

कई प्रकार की खतरनाक बीमारियां जन्म ले रही हैं और लाखों लोग असमय ही काल के ग्रास बन रहे

वायु प्रदूषण के कारण संकट में बचपन

योगेश कुमार गोयल

> दिल्ली और आसपास के कई क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की समस्या बेहद गंभीर बनी हुई है, जहां कुछ जगहों पर एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) 400 के पार है, जबकि यह 50 से कम रहना चाहिए। मौसम में ठंड की शुरुआत होते ही यह हर साल की कहानी है। हाल ही में नीदरलैंड के एल्सेवियर जर्नल में प्रकाशित हुए आईआईटी दिल्ली के वायुमंडलीय विज्ञान अध्ययन केंद्र द्वारा किए गए अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है कि दिल्ली में जून और अक्तूबर में प्रदूषण बाहरी कारकों से होता है, लेकिन सर्दियों में गंभीर प्रदूषण के लिए 72 प्रतिशत प्रदूषकों में स्थानीय कारक शामिल होते हैं। ऐसे में प्रदूषण कम करने के लिए समग्र योजना बनाने की जरूरत पर जोर दिया गया है।

देश के कई इलाकों में इन दिनों वायु प्रदूषण को लेकर स्थिति बहुत विकराल है। दिल्ली और आसपास के कई क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की समस्या बेहद गंभीर बनी हुई है, जहां कुछ जगहों पर एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) 400 के पार है, जबकि यह 50 से कम रहना चाहिए। मौसम में ठंड की शुरुआत होते ही यह हर साल की कहानी है। हाल ही में नीदरलैंड के एल्सेवियर जर्नल में प्रकाशित हुए आईआईटी दिल्ली के वायुमंडलीय विज्ञान अध्ययन केंद्र द्वारा किए गए अध्ययन में यह तथ्य सामने आया है कि दिल्ली में जून और अक्तूबर में प्रदूषण बाहरी कारकों से होता है, लेकिन सर्दियों में गंभीर प्रदूषण के लिए 72 प्रतिशत प्रदूषकों में स्थानीय कारक शामिल होते हैं। ऐसे में प्रदूषण कम करने के लिए समग्र योजना बनाने की जरूरत पर जोर दिया गया है। वैसे वायु प्रदूषण अब एक वैश्विक समस्या बन चुका है, जिससे कई प्रकार की खतरनाक बीमारियां जन्म ले रही हैं और लाखों लोग असमय ही काल के ग्रास बन रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ फेडरेशन की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक दशक में वायु प्रदूषण के कारण दिल की बीमारियों से होने वाली मौतों में करीब 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। रिपोर्ट के अनुसार हवा में छोटे प्रदूषक (अदृश्य कण) हृदय की लय, रक्त के थक्के जमने, धमनियों में प्लाक बनने और रक्तचाप को प्रभावित कर रहे हैं। वायु प्रदूषण का खतरा सबसे ज्यादा छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर बना है क्योंकि वे बहुत संवेदनशील होते हैं और जहरीली हवा की चपेट में जल्दी आते हैं। दरअसल वयस्कों की तुलना में छोटे बच्चे ज्यादा तेज गति से सांस लेते हैं, जिससे उनके शरीर में प्रदूषण के कण तेजी से तथा ज्यादा मात्रा में चले जाते हैं। इसी कारण वायु प्रदूषण छोटे बच्चों को बहुत जल्दी अपनी चपेट में लेता है और उनमें अस्थमा से लेकर फेफड़ों के संक्रमण तक कई बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। वायु प्रदूषण से बच्चों के मस्तिष्क और दूसरे अंगों पर भी प्रभाव पड़ता है। देश की राजधानी दिल्ली हो या देश के अन्य प्रदूषित इलाके, छोटे-छोटे बच्चे वायु प्रदूषण की चपेट में सबसे ज्यादा आ रहे हैं। हवा में बढ़ती नाइट्रोजन ऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें और प्रदूषक कण बच्चों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालते हैं। प्रदूषित हवा में जो जहरीले 2.5 नैनोपार्टिकल होते हैं, वे छोटे

बच्चों के फेफड़ों की गहराई तक पहुंचकर उन्हें बीमार बना रहे हैं। वायु प्रदूषण छोटे बच्चों की श्वसन प्रणाली को बहुत जल्द अपनी चपेट में लेता है, जिससे उनका इम्यून सिस्टम कमजोर हो जाता है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के अनुसार, बच्चों में प्रदूषित हवा के कारण निमोनिया, फेफड़ों की समस्याएं, कमजोर दिल, ब्रोंकाइटिस, साइनस और अस्थमा जैसी बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है। प्रदूषित हवा के कारण फेफड़े कमजोर होने से बच्चे अन्य बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। वायु प्रदूषण के कारण समय पूर्व प्रसव या फिर कम वजन वाले बच्चे पैदा होते हैं और ये दोनों ही शिशुओं की मृत्यु के प्रमुख कारण हैं। अत्यधिक प्रदूषण में पलने वाले बच्चे अगर बच भी जाते हैं, तब भी उनका बचपन अनेक रोगों से घिरा रहता है। बच्चों पर वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों को लेकर दुनियाभर में समय-समय पर परेशान करने वाली रिपोर्टें सामने आती रही हैं। किसी नवजात का स्वास्थ्य किसी भी समाज के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होता है, लेकिन बेहद चिंताजनक स्थिति है कि कई अध्ययनों में बताया जा चुका है कि गर्भ में पल रहे शिशुओं पर भी वायु प्रदूषण का घातक असर पड़ता है। एम्स द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार वायु प्रदूषण गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए बहुत ज्यादा खतरनाक है। अधिक प्रदूषित क्षेत्रों में रह रही माताओं के नवजात शिशु के फेफड़े सिकुडने का भी खतरा होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के मुताबिक वायु प्रदूषण बच्चों के दिमाग को भी कमजोर कर रहा है। यूनीसेफ की 'डेंजर इन एयर' रिपोर्ट के अनुसार भी बढ़ता प्रदूषण दिमाग को खराब कर सकता है, जिससे बच्चों के दिमागी विकास पर असर पड़ता है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रदूषित कण फेफड़ों के जरिये शरीर के कई दूसरे अंगों को भी नुकसान पहुंचाते हैं और कुछ मामलों में ये बच्चों की दिमाग की कार्यप्रणाली पर भी असर डाल सकते हैं। हालांकि प्रदूषण का सीधा संबंध दिमाग की कार्यप्रणाली से नहीं है, लेकिन लंबे समय तक प्रदूषण रहने पर यह गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। बढ़ते प्रदूषण के कारण हवा में नाइट्रोजन, सल्फर जैसी विषाक्त गैसों का स्तर बहुत ज्यादा हो गया है और जब बच्चे सांस के जरिये इसी प्रदूषित हवा को अपने शरीर में लेते हैं तो इसका सीधा असर उनके स्वास्थ्य और विकास पर पड़ता है। ये विषाक्त गैसें बच्चों के दिमाग तक पहुंचकर उनके मानसिक और बौद्धिक विकास को धीमा कर देती हैं। नॉर्थ कैरोलिना के ड्यूक विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने दो हजार से भी ज्यादा लोगों पर एक व्यापक अध्ययन किया और अध्ययन के दौरान बच्चों की मानसिक सेहत पर वायु प्रदूषण के प्रभावों का आकलन किया गया। कई दशकों के आंकड़ों का विश्लेषण करने पर अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि शहरों में प्रदूषित वायु और वायु प्रदूषण के बीच पलने-बढने वाले बच्चों में वयस्कावस्था में मानसिक सेहत संबंधी विकार होने की संभावना सबसे ज्यादा होती है। बच्चों पर प्रदूषण के कहर को लेकर वैश्विक स्तर पर कई चिंता पैदा करने वाली रिपोर्टें आ चुकी हैं। यूनीसेफ द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में बताया जा चुका है कि भारत में लगभग सभी स्थानों पर वायु प्रदूषण निर्धारित सीमा से अधिक है, जिससे बच्चे सांस, दमा तथा फेफड़ों से संबंधित बीमारियों और अल्प विकसित मस्तिष्क के शिकार हो रहे हैं। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु में से दस फीसदी से अधिक की मौत वायु प्रदूषण के कारण उत्पन्न होने वाली सांस संबंधी बीमारियों के कारण होती हैं। भारत में बच्चों के मस्तिष्क की कार्यप्रणाली वायु प्रदूषण के कारण प्रभावित हो रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वायु प्रदूषण के कारण बच्चे मंदबुद्धि हो रहे हैं, जन्म के समय कम वजन के बच्चे पैदा हो रहे हैं। गर्भ में भी बच्चे वायु प्रदूषण के प्रभाव से अछूते नहीं हैं, उनका तंत्रिका तंत्र प्रभावित हो रहा है। बच्चों में सांस संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं, उनमें दमा और हृदय रोगों के मामले बढ़ रहे हैं और वायु प्रदूषण के कारण हर साल लाखों बच्चों की मौत वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों के कारण हो रही हैं।

दृष्टि कोण

जवाहर लाल नेहरु की महान शख्सियत

स्वतंत्रता प्राप्ति पर जवाहर लाल नेहरु भारत के पहले प्रधानमंत्री बने। वह 17 वर्ष प्रधानमंत्री बने रहे। नेहरु एक ऐसी शख्सियत थे जो महान थे। उनके सबसे करीबी सरदार पटेल जी थे। जब भारत का बंटवारा हुआ, उस समय बहुत से शरणार्थी भारत आए। उनको शरण देना, बसाना और उनके लिए खाद्यान्न की व्यवस्था करना बहुत ही कठिन कार्य था। इसके साथ बहुत सी रियासतों को भारत में विलय करने का कार्य और भी मुश्किल था। कुछ समृद्ध तथा रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण रियासतों को उनके राजाओं के अनुसार मांगी गई सुविधाएं देकर भारत में मिलाया गया। यह उस समय अहम था, चाहे आज इन विशेष सुविधाओं को देने के लिए जवाहर लाल नेहरु की मुखालफत होती है। परंतु नेहरु ने सरदार पटेल की सहायता से इस कार्य को बखूबी निभाया। भारत में उस समय भुखमरी थी। अनाज की कमी थी। सडकें कम थी, उद्योग आदि बहुत कम थे। देश के पास पैसा एवं साधन बहुत कम थे, परंतु नेहरु जी ने अपनी सूझबूझ से इनका सामना किया। उन्होंने भारत में आर्थिक विकास के लिए मिश्रित अर्थव्यवस्था का मॉडल दिया, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र में बड़े-बड़े उद्योग लगवाए। इनके लिए वित्त का प्रबंध किया। लोगों को रोजगार के साधन उपलब्ध करवाए। उद्योगों में स्टील, बिजली आदि की बुनियादी सुविधाएं देने वाले उद्योग लगाए तथा नियोजन के द्वारा आधारभूत उद्योगों को महत्व दिया गया। यह भारत जैसे विकासशील देश के लिए जरूरी था, क्योंकि यहां गरीबी, बेरोजगारी, असमानता, अशिक्षा और लोगों का जीवन स्तर बहुत ही निचले स्तर पर था। उन्होंने पंचवर्षीय योजनाओं के द्वारा बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ सामाजिक विकास द्वारा आर्थिक वृद्धि को महत्व दिया। इसके लिए रोजगार के साधनों को बढ़ा कर, आय में असमानता को कम करना, समतामूलक समाज बनाने के लिए लोगों में मूल्यों और दृष्टिकोण का निर्माण करना आदि शामिल था। उन्होंने ही आधुनिक धर्मनिरपेक्ष संसदीय लोकतंत्र को बहुत कुछ योगदान दिया। मौलिक अधिकारों की हमेशा ही उन्होंने रक्षा की। आत्मनिर्भरता की ओर ही नेहरु जी भारत को आगे ले गए थे। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के लिए सामुदायिक विकास कार्यक्रम और 1952 तथा 1959 में पंचायती राज शुरू किए। वह भारत के एक सफल प्रधानमंत्री कहलाए। नेहरु का जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद में हुआ। अपनी कानून की डिग्री कैमब्रिज विश्वविद्यालय से पूरी की। 1912 में भारत लौट कर वकालत शुरू की। 1916 में कमला नेहरु से शादी की। 1917 में होमरूल लीग में शामिल हुए। राजनीति में असली प्रशिक्षण 1919 में शुरू हुआ जब नेहरु महात्मा गांधी के संपर्क में आए। नेहरु ने आजादी के संग्राम में अहम भूमिका निभाई। वह 9 बार जेल गए। जवाहर लाल नेहरु एक ऐसे सहिष्णु राजनेता थे जो विध्वंसक दौर में भी रचनात्मक कार्यों मे संलग्न रहे। नेहरु ने 4 महत्वपूर्ण रचनाओं को लिखा, जिनमें पिता के पत्र पुत्री के नाम 1929, ग्लिंपसेज ऑफ वल्ड हिस्ट्री 1933, ऐन आटोबायोग्राफी 1936 व डिस्कवरी ऑफ इंडिया 1946 शामिल हैं। उनका चिंतन मानववादी था। उनका दृष्टिकोण पश्चिमी व आधुनिक था। वह भारतीय परिस्थितियों की जटिलताओं से भली-भांति परिचित थे। उनके दृष्टिकोण में लोकतंत्र, समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता आपस में घनिष्ठ रूप से जुड़े थे। नेहरु जी की रचनाओं से जब हम गुजरते हैं और उनके निजी तथा सार्वजनिक जीवन की निष्पक्ष जांच करते हैं, तो पाते हैं नेहरु आधुनिक भारत के निर्माण के वास्तुकार थे। जवाहर लाल नेहरु को बच्चों से विशेष लगाव था। उन्हें अक्सर चाचा नेहरु के नाम से पुकारा जाता है। उनका मानना था कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं। उनका उचित विकास ही देश के विकास का आधार होगा। आजादी के बाद पंडित नेहरु ने कई अहम फैसले लिए जिनमें शिक्षा क्षेत्र, सामाजिक सुधार, आर्थिक क्षेत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा, औद्योगिक क्षेत्र आदि शामिल हैं। उन्होंने भाखड़ा बांध, रिहंद बांध, बोकारो स्टील प्लांट, राउरकेला, भिलाई, दुर्गापुर स्टील प्लांट स्थापित/समझौते किए। आईआईटी, आईआईएम, एम्स और विश्वविद्यालयों की स्थापना की। उन्होंने 5 आईआईटी स्थापित की, वो हैं खडग़पुर, बॉम्बे, मद्रास, कानपुर और दिल्ली। इनको स्थापित कर औद्योगिक तथा अंतरिक्ष क्षेत्र में टॉप टेलैंट तैयार किए। इसके अलावा इंडियन स्कूल ऑफ माइनिज, कृषि विश्वविद्यालय, आल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र, सर सीवी रमन (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस), होमी जे भाभा (भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर), सतीश धवन (इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाइजेशन) तथा अन्य कई संस्थान स्पेस तथा साइंटिफिक अध्ययन एवं रिसर्च के लिए खोले। उन्होंने 1948 में परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना की। पहला परमाणु रिएक्टर (बॉम्बे) अगस्त 1956 में शुरू किया। थुंबा में रॉकेट लॉन्चिंग फैसिलिटी स्थापित की।

कुछ अलग

समोसा, हाय समोसा!

बुरा हो पेट की उस बीमारी का, जो किसी भी आम-ओ-ख़ास को समोसा खाने से रोकती है। पर सवा सत्यानाश उस राजनीति का, जिसने रोटी के बाद अब समोसे को भी आम आदमी की प्लेट से बाहर खींच कर सोशल मीडिया पर इतना वायरल किया कि हिमाचल में नेता विपक्ष के साथ आम लोग भी समोसे खाकर अपने फोटो तमाम सोशल प्लेटफॉर्म पर डालने लगे। बेचारा एक आदमी जो अपनी पेट की बीमारी के चलते एक समोसा तक नहीं खा सकता, उसके साथ समोसे को जोडऩा उतना ही दुःखदायी है जितना किसी ईमानदार आदमी के साथ रिश्वत का जोड़ा जाना। मुख्यमंत्री को इस मुद्दे पर अपनी सफाई देने के लिए एक प्रेस कान्फ्रेंस अवश्य करनी चाहिए। भ्रष्टाचार पर भले कोई प्रेस कान्फ्रेंस हो या न हो, लेकिन सीएम को ऑन कैमरा बताना चाहिए कि उन्हें समोसा खाए मुद्दत हो गई। लेकिन अफसोस! बेचारे चचा ग़ालिब की तरह सरेआम यह भी नहीं कह सकते 'हुई मुद्दत कि समोसा खाए पर याद आता है वो हर इक बात पर कहना कि समोसा यूं खाता तो क्या होता।' इधर मैं यह सोच कर परेशान हूं कि खाड़ी युद्ध के चलते दुनिया तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर खड़ी है और अगर उससे बच भी गए तो ग्लोबल वार्मिंग के चलते सन् 2030 तक जान के लाले पडऩे वाले हैं, पर हिमाचली विपक्ष है कि सीएम के समोसे के पीछे पड़ा है। मैं दिन-रात इस चिंता में डूबा रहता हूं कि अठतीस साल की सरकारी नौकरी में अपनी नैसर्गिकता खोने के बावजूद राज्य मुझे बुढ़ापे में कितने दिन पेंशन दे पाएगा। सरकार और विपक्ष मिलकर प्रदेश को आर्थिक बदहाली में धकेल रहे हैं, प्रदेश के संसाधन एवं हित गिरवी पड़े हैं, पर दोनों की नजर है कि कुरसी से हटती ही नहीं। विपक्ष 'येन केन प्रकारेण' सत्ता पर क़ाबिज़ होना चाह रहा है। हो सकता है समोसे सर्व करने वालों ने सोचा हो कि साहिब से ज़्यादा ज़रूरी है उनके गणों की पूजा और सेवा। इसी चक्कर में सीएम को समोसे देना भूल गए हों या क्या पता सीएम स्टाफ में शामिल चटोरों ने बताया हो कि साहिब समोसे नहीं खाते। सारे समोसों पर सीएम स्टाफ हाथ साफ कर गया हो। लेकिन अंदर बैठे पुलिस के बड़े साहिब तो समोसे खाते हैं। मामला उनको समोसे न परोसे जाने पर ही बिगड़ा। सीएम तो समोसे सर्व किए जाने पर भी खाने से मना कर देते। सीआईडी के बड़े साहिब जो सुबह से मुंह में समोसों का स्वाद भर रहे थे, समोसे न मिलने पर इतने व्यथित हुए होंगे कि सभी की क्लास लगा डाली होगी। उन्होंने गुस्से में कहा होगा, 'मामले की जांच की जाए और पता लगाया जाए कि किसने मा-बदौलत की शान में समोसे नहीं परोसे?' उधर प्रमोशन के इंतज़ार में बैठे उनके मातहत अधिकारी ने सोचा होगा कि साहिब को ख़ुश कर दिया जाए तो प्रमोशन जल्दी होगी। उसने लिखित जांच के आदेश दिए। तभी डीएसपी, भराड़ी ने जांच कैसे शुरू की और उसकी हस्ताक्षरित जांच रिपोर्ट मीडिया में वायरल हुई। इसके बाद डीजी साहिब समोसे के लोभ की तरह कैमरे पर आने का मोह न रोक पाए और ऑन कैमरा सफाई के चक्कर में सीआईडी और सरकार दोनों की मिट्टी पलीद कर दी। रही-सही कसर सीआईडी द्वारा जारी स्पष्टीकरण ने कर पूरी कर दी। डीजी के पास भले प्रदेश में फैल रहे नशे के जाल या भ्रष्टाचार से निपटने की चुनौती हो या न हो, पर उन्होंने ऑन कैमरा कहा कि सीआईडी के सामने चैलेंज आया है। वह इसको स्वीकार करते हैं और पता लगाएंगे कि समोसों का क्या हुआ? हो सकता है कि बड़े साहिब ख़ुद मामले की जांच करें।

देश दुनीया से

जम्मू कश्मीर में फिर 370 का राग क्यों अलापा जा रहा है?

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद नई प्रदेश सरकार ने फिर से पुराने एजेंडे पर काम करना प्रारम्भ कर दिया है। इससे निश्चित ही यह संकेत मिलता है कि जिस धारा 370 और 35ए के कारण कश्मीर को शेष भारत से अलग दिखने जैसी स्थिति दिखती थी, वैसी ही स्थिति पैदा करने का प्रयास नई सरकार यानी कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा किया जा रहा है। राज्य की नई सरकार का यह कदम पाकिस्तान के हौसले बढ़ाने वाला ही लगता है, क्योंकि पाकिस्तान धारा 370 के कारण ही कश्मीर को अपना बताने का कुचक्र रचता रहा है। धारा 370 के बहाने राज्य को मिले विशेष अधिकारों के चलते ही पाकिस्तान ने अपना नेटवर्क स्थापित किया था, जिसके कारण वहां के नागरिक भारतीय सेना के प्रति अलगाव का व्यवहार करते दिखाई दिए। उस समय पाकिस्तान परस्त आतंकी कश्मीर में युवाओं को भ्रमित करते रहते थे। अब उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार ने जम्मू कश्मीर में फिर से अलगाव के बीज रोपित करने का काम किया है। जिसमें कांग्रेस की भी भागीदारी है। हालांकि कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं है, बाहर से समर्थन दे रही है। जम्मू कश्मीर में जब धारा 370 कायम थी, तब राज्य ने क्या खोया था, यह पूरा देश जानता है। घाटी में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकी घटनाएं होती रहती थी। वर्तमान केंद्र सरकार ने धारा 370 हटाकर कश्मीर को शेष भारत से समरस करने का काम किया है। इसीलिए आज जम्मू कश्मीर आतंकी गतिविधियों पर

लगाम लगा पाने में बहुत हद तक सफल हुआ है। वर्तमान में पूरे देश में समान नागरिक संहिता को लागू करने के स्वर मुखरित होने लगे हैं। समान नागरिक क़ानून निश्चित ही सभी नागरिकों को समान अधिकार देने का हिमायती है, लेकिन दूसरी ओर जम्मू कश्मीर में अलग संविधान को मान्यता देने वाली धारा 370 को लाने का प्रयत्न किया जा रहा है। यह धारा जम्मू कश्मीर को अलग पहचान देने का काम करती है। इसके चलते कश्मीर का संविधान और ध्वज अलग हो जाएगा, जो भारत के संविधान और तिरंगा से अलग होगा। यह स्थिति डॉ. भीमराव अम्बेडकर के संविधान से अलग प्रकार की होगी। ऐसे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का वह बयान स्वतः ही ख़ारिज हो जाता है, जिसमें वह कहते हैं कि भाजपा संविधान फाड़कर फेंकना चाहती है। इसका एक आशय यह भी प्रादुर्भित होता है कि कांग्रेस संविधान को बचाना चाहती है, लेकिन कांग्रेस कौन से संविधान को बचाना चाहती है, यह और स्पष्ट करना चाहिए, क्योंकि बाबा साहब अम्बेडकर कभी भी जम्मू कश्मीर को अलग दरजा देने के पक्ष में नहीं थे। उन्होंने संविधान में इसको जोड़ने से इंकार कर दिया था। अम्बेडकर जी के मना करने के बाद शेख अब्दुल्ला, प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के पास पहुंचे, जिन्होंने बाबा साहेब अम्बेडकर की भावना को दफ़न करते हुए शेख अब्दुल्ला को प्रसन्न करते हुए धारा 370 का समावेश संविधान में करा दिया। आज कांग्रेस भले ही इस बात का दम्भ भरे कि वह संविधान को बचाना चाहती है, लेकिन कांग्रेस के कार्य ऐसे लगते नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस की सरकार ने ही आपातकाल लगाकर भारत के नागरिकों के सारे अधिकार छीन लिए थे, जो बहुत बड़ा संविधान विरोधी कदम था। क्योंकि उस समय आपातकाल लगाने जैसी स्थिति नहीं थी। यह सारा खेल अपनी कुर्सी को बचाने के लिए किया गया था। आपातकाल संविधान की हत्या करने जैसा ही था। पांच वर्ष पूर्व केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने अपने वादे के मुताबिक जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा प्रदान करने वाली धारा 370 और 35ए को विलोपित कर दिया। उल्लेखनीय है कि भाजपा का यह कदम किसी भी प्रकार से किसी के विरोध में इसलिए नहीं कहा जा सकता, क्योंकि भाजपा के हर घोषणा पत्र में इस धारा को हटाने की बात की। इन्हीं वादों को पूरा करने के लिए भाजपा को समर्थन मिला। ज़ब जनता ने भाजपा के वादों को पूरा करने के लिए समर्थन दिया, तब स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि भाजपा ने वही काम किया, जो जनता चाहती थी। अब जम्मू कश्मीर में भारत का संविधान चलता है, राज्य का अपना कोई संविधान नहीं है। इतना ही नहीं जम्मू कश्मीर अब केंद्र शासित प्रदेश है। इसलिए उसके संवैधानिक अधिकार सीमित हैं। इसलिए जम्मू कश्मीर की सरकार संविधान में बदलाव करने का कोई संवैधानिक हक नहीं रखती। यह केंद्र सरकार का काम है। राज्य कोई विधेयक पारित तो कर सकता है, लेकिन वह विधेयक तब तक लागू नहीं हो सकता, ज़ब तक केंद्र की सरकार न चाहे। इसलिए यह कहा जा सकता है कि राज्य की नवगठित सरकार का यह कदम केवल राजनीतिक लाभ के लिए है। देश में कई विपक्षी राजनीतिक दलों ने एक साथ आकर इंडी गठबंधन बनाया है। यह गठबंधन बार बार संविधान बचाने की बात करता रहता है, लेकिन सवाल यह है कि जम्मू कश्मीर में धारा 370 को बहाल करने वाले विधेयक पर कोई भी बोलने को तैयार नहीं है। इसे मौन समर्थन भी माना जा सकता है। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की ऐसी कौन सी राजनीतिक मजबूरी है जो धारा 370 और 35ए की बहाली के लिए उनको मजबूर कर रही है। क्या इन दलों को यह पता नहीं है कि इन्हीं कानूनों के कारण ही कश्मीर हिन्दू विहीन हो गया है। क्या यह दल फिर से कश्मीर घाटी को उसी स्थिति में ले जाना चाहते हैं। देश में एक समान क़ानून होना चाहिए, यह सभी चाहते हैं। लेकिन जम्मू कश्मीर में इसका प्रयोग नहीं किया जा रहा है। जम्मू कश्मीर में अगर धारा 370 बहाल हो जाती है तो निश्चित ही पाकिस्तान परस्त मानसिकता फिर से हाबी हो सकती है और जम्मू कश्मीर फिर से अलगाव की स्थिति में आ सकता है। ऐसी स्थिति न बने, इसलिए कश्मीर में भी देश का संविधान ही लागू रहे, यह समय की मांग है और यह कदम जम्मू कश्मीर के हित का भी है।

आप का नजरीया

हमारे पैमानों की अरदास

बातें तो अच्छी कर गए केंद्रीय ऊर्जा तथा आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर, लेकिन मसलों पर गिरी बर्फ पिघलनी चाहिए। चिट्ठियां बहुत पहले की निकली हुईं, लेकिन डाकिया हर बार घर भूल जाता। एक बार फिर हिमाचली मसलों का मंच सजा और एक केंद्रीय मंत्री की गवाही में हमारी आशाएं गुनगुनाने लगीं। हमारा खजाना, हमारी आत्मनिर्भरता का पैमाना तब-तब खुश हो जाता, जब-जब लगता है कि पंजाब पुनर्गठन के 58 साल बाद कहीं तो कोई हमारे हक की बात सुन रहा है। इस बार मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू सुना रहे थे और सामने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर के सामने सारे पैमाने अरदास कर रहे थे। एक सौ दस मैगावाट का शानन विद्युत प्रोजेक्ट इस बैठक से सिर्फ आजादी का एक पन्ना मांगता रहा। वह पन्ना जिसके ऊपर लिखी रसीद बताती है कि सदी पूर्व लीज पर रखी शानन विद्युत परियोजना की नींव अब अपनी वैधता खो चुकी है। जल, जंगल और जमीन की पैरवी करता आज का हिमाचल जिस सतह पर खड़ा है, वहां पंजाब पुनर्गठन के अवशेष पूरी तरह हिमाचली हैं तो फिर शानन परियोजना के मालिकाना हक की बेडियां टूटनी चाहिएं। एसजेवीएन के ताले में बंद ऊर्जा नीति की रूपरेखा का सवाल पुनः केंद्रीय मंत्री के हवाले न्याय की परिपाटी खोज रहा है। बिजली उत्पादन से जुड़ी रॉयल्टी अगर एक फार्मूले के तहत लागू है तो केंद्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रम कौनसा सुरमा आंखों में डाले हैं जो आज तक जायज देनदारी पर कुंडली मार कर बैठे हैं। रॉयल्टी के पैमाने तीस प्रतिशत तक पहुंच कर भी असहाय बनाए जा रहे हैं, तो यह प्रश्न देश के संघीय ढांचे और उस सहमति पत्र से है, जो एक फार्मूले के तहत पहले बारह वर्षों में 12 प्रतिशत, अगले अठारह वर्षों के लिए 18 और अंतिम चरण के दस वर्षों में रॉयल्टी का आंकड़ा तीस प्रतिशत पहुंचा देता है, लेकिन इसके विपरीत एसजेवीएन कुंडली मार कर बैठा है। केंद्र सरकार के पास यह मसला वर्षों से संघीय ढांचे के तहत राज्य के अधिकार की नुमाइंदगी कर रहा है, लेकिन सरकारें इस विषय पर सदैव मौन होती रही हैं। सवाल हिमाचल की जन्मपत्री का है, जिसे पंजाब पुनर्गठन के साथ और बाद में पर्वतीय राज्य की उम्मीदों से लिखा गया है। मनोहर लाल खट्टर के आगमन की सुगबुगाहट में जाठिया देवी उपग्रह शहर के मंसूबे झांकने लगे हैं। परियोजना के संदर्भ पिछले डेढ़ दशक से अपनी आंखें खोल रहे हैं, लेकिन केंद्र के सामने ऐसे संकल्प की इज्जत बचाना मुश्किल है। शहरी विकास की विभिन्न योजनाओं के तहत, हिमाचल की आवासीय सुविधाओं का वित्त पोषण अगर उदारता से हो जाए, तो शिमला की बाहों में जाठिया देवी भविष्य की बस्ती होगा। पर्वतीय राज्यों में शहरीकरण की रफ्तार को समझने की जरूरत में अम्रुत और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का विस्तार व लागत में केंद्र द्वारा वित्तपोषण का 90 : 10 प्रतिशत की दर से समाधान होता है, हिमाचल जैसे राज्य लाभान्वित होंगे। पंद्रहवें वित्तायोग ने आठ हजार करोड़ की लागत से नए शहर बसाने का वादा किया है, जिनमें दो पहाड़ी शहर भी शरीक होंगे।

लॉरेंस गैंग के गोल्डी-अनमोल-रोहित को मारने वालों को क्षत्रीय करणी सेना के अध्यक्ष देंगे 21 लाख से लेकर एक करोड़

जयपुर (हिंस)। क्षत्रीय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज सिंह शेखावत ने लॉरेंस गैंग के मेंबर्स को मारने वालों के लिए अलग-अलग प्राइज की घोषणा की है। इनाम की कुल राशि 2 करोड़ 44 लाख है। शेखावत ने कहा कि आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने वाले अनमोल बिश्नोई, गोल्डी बरार, रोहित गोदारा, संपत नेहरा और वीरेंद्र चारण पर पुरस्कार की घोषणा क्षत्रीय करणी सेना की ओर से की जाती है। ऐसे में जो कोई व्यक्ति इनको ठोकेगा। उसे नियमानुसार प्राइज मनी मिलेगी। इससे पहले शेखावत ने लॉरेंस बिश्नोई का एनकाउंटर करने वाले पुलिसकर्मी को एक करोड़ 11 लाख 11 हजार 111 रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की थी। अब अनमोल बिश्नोई को मारने वाले को एक करोड़, गोल्डी बरार को मारने वाले को 51 लाख, रोहित गोदारा को मारने वाले को 51 लाख, संपत नेहरा को मारने वाले को 21 लाख वीरेंद्र चारण को मारने वाले को 21 लाख रुपए देने का ऐलान किया गया है। वहीं, सुखदेव सिंह गोगामेड़ी पत्नी शीला शेखावत ने कहा कि राज शेखावत राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष नहीं है। इसके संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष गोगामेड़ी ही हैं। आजीवन वही रहेंगे। सुखदेव गोगामेड़ी को चाहने वाले हजारों करोड़ों हैं। अब उनमें से कौन क्या ऐलान कर दे ये उनपर निर्भर करता है। बाकी हमारा उससे कोई लेना देना नहीं है। शीला ने कहा कि अगर हमें न्याय नहीं मिलेगा तो हम किसी को छोड़ेंगे नहीं। हमसे जो अपेक्षा रखते हैं, कि करणी सेना जहां खड़ी हो जाएगी हमें न्याय मिलेगा। ऐसे में अगर करणी सेना के अध्यक्ष को ही न्याय नहीं मिलेगा तो लोगों का क्या होगा। अभी हमें सरकार से न्याय की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि गोगामेड़ी की हत्या को एक साल हो रहे हैं। उसके बाद भी सरकार अगर हमें न्याय नहीं दिला पाई। फिर अपने हिसाब से न्याय लेंगे। इसके लिए जो भी करना होगा, वह समय बताएगा। फिर चाहे हम रास्ते जाम करें या भूख हड़ताल करें। दरअसल, पिछले साल पांच दिसंबर के दिन जयपुर के श्याम नगर इलाके में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेडी की बदमाशों ने गोली मार कर हत्या कर दी थी। जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस विश्नोई गैंग के द्वारा ली गई थी।

कांग्रेस वोटबैंक की करती है राजनीति, विकास से कांग्रेस का कोई लेना देना नहीं : मदन राठौड़

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि विपक्ष क्या कर रहा है, इस पर ध्यान करने की बजाय भाजपा हमेशा अपने कार्यों पर ध्यान देती है। विपक्षी नेताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के 140 करोड देशवासियों को अपना परिवार कहने से आपत्ति है, उनको देशवासियों को संगठित रहने की अपील करने से आपत्ति है और उनको वस्त्र और उसके रंग से भी आपत्ति है तो इससे उनकी विकृत मानसिकता देशवासियों के सामने उजागर हो गई। कांग्रेसी नेताओं को औवेसी के बयानों पर कभी आपत्ति नहीं हुई, वो 15 मिनट पुलिस हटाने वाले बयान पर प्रतिक्रिया नहीं देते, क्योंकि कांग्रेस वोटबैंक की राजनीति करती है, उसको विकास से कोई लेना देना नहीं है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस में राजनीति का स्तर गिरता जा रहा है, इसका नुकसान कांग्रेस पार्टी को होना तय है। भाजपा ने कभी भी कांग्रेस क्या कर रही है, इस पर ध्यान नहीं दिया, बल्कि सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास की नीति पर कार्य करते हुए जन कल्याणकारी नीतियां तैयार की। भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार ने बजट में हर वर्ग, हर समुदाय के लिए योजनाएं बनाई। भाजपा समाज के अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति के लिए कार्य कर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के अधिकांश नेता भ्रष्टाचार और घोटालों में संलिप्त पाए जा रहे है। कर्नाटक में कांग्रेसी नेता के 64 ठिकानों पर कमरे नोटों से भरे मिले। कर्नाटक ही नहीं, कांग्रेस शासित प्रदेशों में घोटाले पर घोटाले किए जा रहे है। ऐसे में कांग्रेस को अपनी गिरेबा में झांक कर देखना चाहिए। भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के बजाय कांग्रेसियों को जनहित में काम करना चाहिए। वोटबैंक के लिए प्रलोभन देने की बजाय रोजगार सृजन करने की जरूरत है।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 14 को पुष्कर में जाट समाज के सम्मेलन में लेंगे हिस्सा

अजमेर, (हिंस)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 14 नवंबर को तीर्थराज पुष्कर आएंगे। धनखड़ यहां जाट विश्राम स्थली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय जाट सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर मेले के दौरान ही प्रतिवर्ष जाट विश्राम स्थली में जाट समुदाय का राष्ट्रीय सम्मेलन होता है। इस बार भी यह सम्मेलन 14 नवंबर को होना है। इस बार सम्मेलन का मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को बनाया गया है। कार्यक्रम संयोजन हरिराम किंवाड़ा ने बताया कि उपराष्ट्रपति धनखड़ ने भी अपने समुदाय के सम्मेलन में भाग लेने की अनुमति दे दी है किन्तु इस संबंध में अभी तक कोई सरकारी सूचना जारी नहीं हुई है। पुष्कर मेले के दौरान उपराष्ट्रपति के आने पर किसी भी सरकारी कार्यक्रम में जगदीप धनखड़ भाग लेंगे अथवा नहीं यह स्पष्ट नहीं है। आमतौर पर पुष्कर मेले में मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री शामिल होते रहे हैं। किसी भी केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री के लिए यह सम्मान की बात होती है कि वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पुष्कर मेले के आयोजन में भाग ले रहे हैं। हालांकि केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी अजमेर के ही सांसद हैं, लेकिन पुष्कर मेले में उनकी भी कोई प्रभावी भूमिका नजर अभी नहीं आ रही है। मंगलवार को कार्तिक एकादशी पर आध्यात्मिक पंचतीर्थ महास्नान यात्रा के दौरान वे कुछ समय के लिए जरूर नजर आए थे अलबत्ता 9 नवंबर को मेले का ध्वजारोहण पुष्कर के भाजपा विधायक और प्रदेश के जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने किया। देश के उपराष्ट्रपति के पुष्कर आगमन पर भी मेले के किसी समारोह में भाग न लेने को लेकर अब अनेक चर्चाएं हैं।

जींद : भाजपा सरकार व पार्टी की नीतियों से देश व प्रदेश की जनता खुश : डॉ. कृष्ण मिड्ढा

जींद (हिंस)। डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। सरकार व पार्टी की नीतियों से देश व प्रदेश की जनता खुश है। इसके कारण देश व प्रदेश में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। लगातार पार्टी से नए लोग जुड़ रहे हैं। डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा मंगलवार को भाजपा सदस्यता अभियान के तहत शहरी मंडल जींद द्वारा डीआरडीए के सामने आयोहित सदयस्ता कैंप में बतौर मुख्यअतिथि शामिल होने के बाद कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम

की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष तेजेंद्र ढुल ने की। शिविर में लगभग 250 नए सदस्यों को पार्टी की सदस्यता दिलवाई। उन्होंने कहा कि भाजपा ऐसी पार्टी है जिसमें किसी भी साधारण से कार्यकर्ता को बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। जिलाध्यक्ष तेजेंद्र ढूल ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होते हैं। जिनके बलबूते भाजपा का संगठन काफी मजबूत है। इसे और मजबूती देने के लिए नए सदस्य जोड़े जा रहे हैं। भाजपा के साथ जुड़ने के लिए लोगों में काफी उत्साह है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अनिल सैनी, सदस्यता अभियान जिला प्रमुख डॉ. ओमप्रकाश पहल, जिला महामंत्री डॉ. राज सैनी, जिला प्रभारी मदन गोयल, सदस्यता अभियान मंडल प्रमुख बबलू गोयल, अमित भारतीय, सुखबीर, आशीष, प्रदीप, नरेंद्र, केशव, रमेश सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिद्धू मूसेवाला के परिवार की सुरक्षा में तैनात गनमैन की गोली लगने से मौत

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाबी गायक स्वर्गीय सिद्धू मूसेवाला के परिवार की सुरक्षा में तैनात एक सुरक्षा कर्मी की गोली लगने से मौत हो गई। मूसेवाला की हत्या के बाद उनके पूरे परिवार को सरकार ने सुरक्षा मुहैया कराई थी। सिद्धू के ताया चमकौर सिंह की सुरक्षा में पंजाब पुलिस के एक्स सर्विसमेन, गनमैन हरदीप सिंह तैनात थे। पुलिस के अनुसार हरदीप सिंह सोमवार को देर रात मानसा में आयोजित एक शादी समारोह में भाग लेने गए थे। करीब ढाई बजे अपने गांव फाफड़े भाई के स्थित अपने घर पहुंचा और अपनी लाइसेंसी पिस्टल की सफाई करने लगा। इस दौरान पिस्टल से चली गोली सिर में जा लगी, जिससे हरदीप सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। रात को अचानक से गोली चलने और हरदीप सिंह की मौत होने से परिवार में हाहाकार मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मानसा के डीएसपी बूटा सिंह गिल ने बताया कि हरदीप सिंह पंजाब पुलिस में तैनात थे और रिटायरमेंट के बाद चमकौर सिंह की सुरक्षा में तैनात थे।

एसआई भर्ती रद्द करने की मांग : टंकी पर चढ़े युवक मंत्री मीणा के समझाने पर नीचे उतरे

जयपुर (हिंस)। सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती 2021 को रद्द करने की मांग को लेकर रविवार की दोपहर से बजाज नगर थाना इलाके में स्थित पानी की टंकी पर चढ़े युवक मंगलवार दोपहर को कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के समझाने पर उनके साथ नीचे उतर आए और अपना धरना खत्म कर दिया है। मंत्री मीणा प्रदर्शनकारी युवकों से मिलने पहुंचे और माइक के जरिए उन्हें समझाने का प्रयास किया। इसके बाद स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विधायक स्वयं टंकी पर चढ़ गए और युवकों से सीधी बातचीत की। करीब बीस मिनट की बातचीत के बाद विधायक किरोड़ी लाल मीणा ने युवकों को समझाया। दोनों युवकों को समझाकर धरना खत्म करवाने के बाद मंत्री किरोड़ीलाल मीणा व दोनों युवकों को ओर हाईड्रोलिक मशीन से नीचे उतारा गया। इसके बाद भर्ती रद्द करने की मांग कर रहे लादूराम चौधरी और विकास विधूड़ी को अस्पताल पहुंचाया गया। उन्हें नारियल पानी पिलाया गया। युवकों ने बताया कि वे एसआई भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं के चलते इसे रद्द कराने की मांग कर रहे थे। मंत्री किरोड़ीलाल ने युवकों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों पर सरकार द्वारा उचित विचार किया जाएगा और संबंधित मुद्दों की जांच कराई जाएगी। इस आश्वासन के बाद युवकों ने अपना धरना समाप्त कर दिया। जिससे प्रशासन और जनता ने राहत की सांस ली। टंकी से उतरने के बाद एसआई भर्ती परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे युवक विकास और लादूराम ने कहा कि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने हमारी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से मिलवाने का आश्वासन दिया है। चुनाव के बाद मुख्यमंत्री के सामने अपनी मांग रखेंगे। गौरतलब है कि रविवार दोपहर करीब एक बजे नागौर निवासी लादूराम चौधरी (35) और टोंक निवासी विकास विधूड़ी (34) हिम्मत नगर स्थित पानी की टंकी पर दो बैनर लेकर चढ़ गए थे। युवकों ने बैनर पर एसआई पेपर लीक को लेकर सात पॉइंट में अपनी मांगें लिखी हैं। इसमें लिखा है कि आखिर एसआई भर्ती रद्द क्यों नहीं? ध्यानाकर्षण सत्याग्रह। भजनलाल सरकार से छात्रों का आह्वान, एसआई भर्ती रद्द करो, लीपापोती बंद करो। आखिर फिर से बड़ा सवाल सरकार इस एसआई भर्ती परीक्षा पर कब फैसला करेगी...कब-कब और आखिर कबर दोनों बैनर को लादूराम और विकास ने टंकी पर ही टांग दिया। इसकी सूचना मिलने पर सिविल डिफेंस और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंच गई थीं। दोनों युवकों से बात की, लेकिन उन्होंने नीचे उतरने से इनकार कर दिया था। इस घटना से इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बन गई थी।

चुनाव आयोग ने डेरा बाबा नानक के डीएसपी को पद से हटाया

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब की डेरा बाबा नानक सीट पर हो रहे विधानसभा उपचुनाव में गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया ओर से वोटरों को धमकाने की शिकायत पर कार्रवाई न होने के मामले में निर्वाचन आयोग ने डेरा बाबा नानक के डीएसपी जसबीर सिंह को हटा दिया है। मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी किए गए। निर्वाचन आयोग ने पंजाब सरकार को तीन अधिकारियों के नाम का पैनल बनाकर भेजने के लिए कहा है। निर्वाचन आयोग ने हरियाणा जेल विभाग को पत्र लिखकर कुरूक्षेत्र जेल में बंद जग्गू भगवानपुरिया पर कड़ी नजर रखने का अनुरोध किया है। साथ ही जेल में उसके आसपास के एरिया की गहराई से जांच करने के लिए कहा गया है, ताकि उसके पास से डिवाइस आदि के बारे में पता चल सके। इस मामले में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

खालिस्तानी आतंकी ने राममंदिर को उड़ाने की दी धमकी, अयोध्या में हाई अलर्ट

अयोध्या (हिंस)। खालिस्तानी आतंकी की राममंदिर को बम से उड़ाने की धमकी के बाद पूरी अयोध्या को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। राममंदिर की सुरक्षा व्यवस्था आम दिनों में भी सख्त रहती है। हर दिन श्रद्धालुओं को सुरक्षा घेरे से होकर ही राममंदिर में प्रवेश दिया जाता है। अयोध्या जिला प्रशासन ने धमकी के बाद श्रीराम जन्मभूमि परिसर सहित पूरी अयोध्या में हाई अलर्ट कर दिया है। मंगलवार को राममंदिर की सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों ने पूरे परिसर का बारीकी से निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। आईजी पुलिस प्रवीण कुमार ने कहा कि आतंकी पन्नू ने वीडियो के माध्यम से धमकी दी है। इस तरह के वीडियो बयान पहले भी जारी किए गए हैं। हम सुरक्षा व्यवस्था की एक बार फिर से समीक्षा कर रहे हैं। रामजन्भूमि की सुरक्षा में तैनात पुलिस अधीक्षक सुरक्षा बलरामाचारी दुबे ने सुरक्षा में लगे अधिकारियों के साथ श्रीराम जन्मभूमि परिसर, मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने राममंदिर दर्शन मार्ग समेत प्रमुख स्थलों की जांच की। बाद में उन्होंने दावा किया कि रामजन्भूमि परिसर की सुरक्षा पहले से ही अभेद्य है। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू का अयोध्या के राममंदिर को बम से उड़ाने की धमकी देने का एक वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में आतंकी पन्नू ने 16 और 17 नवंबर को राममंदिर में हिंसा की योजना बनाई है और इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी की प्रार्थना करते हुए तस्वीरें भी दिखाई है। पन्नू ने यह धमकी कनाडा के ब्रैम्पटन से रिकॉर्ड की थी। वीडियो के जारिए मिली धमकी के बाद पूरी अयोध्या को छावनी में तब्दील कर दिया गया है।

केंद्रीय राज्यमंत्री की अध्यक्षता में नीति आयोग की समीक्षा बैठक

कटिहार (हिंस)। कटिहार समाहरणालय के एनआईसी कक्ष में केंद्रीय राज्यमंत्री (सहकारिता) कृष्ण पाल गुर्जर की अध्यक्षता में नीति आयोग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कटिहार जिले की प्रगति और उपलब्धियों पर चर्चा हुई। जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों ने अपने कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। बैठक में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री-सह-सदर विधायक तारकिशोर प्रसाद, विधान पार्षद अशोक अग्रवाल, बरारी विधायक विजय सिंह, कोढ़ा विधायक कविता देवी, प्राणपुर विधायक निशा सिंह, जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा, उपविकास आयुक्त अमित कुमार आदि उपस्थित उपस्थित थे। नीति आयोग के तहत स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास तथा आधारभूत संरचना के विभिन्न सूचकांकों में कटिहार जिले की प्रगति की समीक्षा की गई। जिले के विभिन्न विभागों ने अपने कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की और आगे की योजनाओं पर चर्चा हुई। केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कटिहार जिले की प्रगति की सराहना की और आगे की योजनाओं के लिए आवश्यक

दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों को अपने कार्यों में और अधिक प्रभावी और गति लाने के लिए कहा। बैठक के अंत में जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा ने कटिहार जिले के विकास के लिए नीति आयोग के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन नीति आयोग के साथ मिलकर कटिहार जिले के विकास के लिए काम करेगा। इस बैठक में जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

हाईकोर्ट वेबसाइट ठप, अधिवक्ताओं को झेलनी पड़ रही मुसीबत

प्रयागराज (हिंस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट एक तरफ आनलाइन दाखिले व बहस की तरफ तेजी से बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ पिछले तीन दिन से हाईकोर्ट की वेबसाइट ठप होने से अधिवक्ताओं को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। जब न्यायालय प्रशासन से शिकायत की गई तो उन्हें इसका पता ही नहीं था कि वेबसाइट बंद पड़ी है। हालांकि कंप्यूटर इंचार्ज ने शीघ्र ही वेबसाइट चालू कराने का आश्वासन दिया। अधिवक्ता अगम नारायण राय, अशोक सिंह, बी के सिंह रघुवंशी, बीडी निषाद, रमेश चंद्र शुक्ल ने बताया कि वेबसाइट आए दिन कुछ समय के लिए ठप हो जा रही है। 2009 से कम्प्यूटरीकृत व्यवस्था चालू की गई है, किन्तु आए दिन वेबसाइट धड़ाम होने से अधिवक्ताओं को परेशानी उठानी पड़ती है। हाईकोर्ट प्रशासन ने प्रदेश की जिला अदालतों में दाखिले का सेंटर बनाते हुए वादकारियों को आनलाइन दाखिले की व्यवस्था की है। अब दाखिले के लिए हाईकोर्ट आने की आवश्यकता नहीं होती। जिला अदालत से ही दाखिला हो रहा है। हाईकोर्ट में भी आनलाइन दाखिले का काउंटर बनाए गए हैं और दाखिला भी हो रहा। जब सिस्टम लागू किया गया था तो कहा गया कि कोर्ट कार्यवाही देश में कहीं से भी देखी जा सकेगी। यह चालू है। किंतु आए दिन वेबसाइट बंद रहने से न्यायपालिका के कंप्यूटरीकरण को गति देने की प्रक्रिया में बड़ा अवरोध व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लगा रहा है। अधिवक्ताओं ने महानिबंधक से सिस्टम दुरुस्त रखने की मांग की है।

श्री श्याम जन्मोत्सव पर निकली निशान शोभायात्रा जुलूस

अररिया (हिंस)। खाटू श्याम के जन्मोत्सव एवं देवउठनी एकादशी के मौके पर फारबिसगंज में मंगलवार को श्री श्याम भक्त मंडल द्वारा पोस्ट ऑफिस चौक से निशान शोभा यात्रा जुलूस निकाली गई। संरक्षक जयकुमार अग्रवाल एवं अध्यक्ष विवेक सिखवाल के नेतृत्व में मां संतोषी वीर हनुमान ठाकुर बारी से निकली या निशांत शोभा यात्रा शहर के पोस्ट ऑफिस चौक सदर रोड स्टेशन चौक होते हुए स्थानीय लक्ष्मी नारायण ठाकुरवादी मंदिर स्थित श्याम मंदिर में जाकर संपन्न हुई। मौके पर श्याम सुंदर माहेश्वरी, पवन शर्मा, पूनम पांडिया, प्रमोद सिखवाल, सतीश श्रीवास्तव, पवन मिश्रा, दिलीप खेमानी, चांद शर्मा, आकाश मुंद्रा, अभिषेक दुबे, अमित अग्रवाल, विमल सिखवाल, धनेश्वरी देवी, राजू पांडिया, राजकुमार गुप्ता, शिव भगवान फिटकरीवाला, रमेश बाहेती, दीपक शर्मा, आकाश शर्मा, अमर कामत सहित बड़ी संख्या में श्याम के भक्त निशान शोभायात्रा में शामिल थे। जुलूस के दौरान विभिन्न सामाजिक एवं स्वैच्छिक संस्था के द्वारा भक्तों के बीच शरबत, पेयजल आदि का वितरण किया गया।

शिक्षक बनीं डीएम, बच्चों से हल करवाएं गणित के सवाल, अनुपस्थित मिले शिक्षक

लखीमपुर खीरी (हिंस)। जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने मंगलवार को विकास क्षेत्र मितौली के अंतर्गत गणेशपुर ग्रंट, डहर, खम्हरिया, सरेली का औचक निरीक्षण कर पठन-पाठन की गुणवत्ता, साफ-सफाई, छात्र-छात्राओं, शिक्षकों की उपस्थिति व अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सर्वप्रथम डीएम संविलियन विद्यालय गणेशपुर ग्रंट पहुंची, जहां उन्होंने मिड डे मील के तहत तैयार किए गए दाल चावल की गुणवत्ता परखी। बच्चों को गाढ़ी दाल परोसने के निर्देश दिए। कक्ष में बंद पड़े फर्नीचर का कारण जाना। प्रधानाध्यापक ने बताया कि फर्नीचर तीन माह में ही टूट गया। बीएसए को निर्देश दिए कि सप्लाई एजेंसी पर कार्रवाई कर एनुअल मेंटिनेस चार्ज से टूटे फर्नीचर को ठीक करने के निर्देश दिए। बिना सूचना के अनुपस्थित सहायक अध्यापक राहुल कुमार का वेतन रोकते हुए स्पष्टीकरण तलब किया। उपस्थिति कम होने पर प्रधान को निर्देशित किया कि गांव से बच्चों को स्कूल भिजवाने के लिए प्रयास करें। शिथिल पर्यवेक्षण पर बीईओ, प्रधानाध्यापक का स्पष्टीकरण तलब, वीडीओ निलंबित इसके बाद संविलियन विद्यालय डहर पहुंचकर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने क्लास में ट्यूबलाइट ना होने, कम

उपस्थिति एवं विद्यालय परिसर में व्याप्त गंदगी पर फटकार लगाई और इं. प्रधानाध्यापक अमिता सिन्हा का स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए। डीएम ने शिथिल पर्यवेक्षण पर बीईओ मितौली का भी स्पष्टीकरण तलब किया। दाल सब्जीयुक्त ना बनाए जाने पर गहरी नाराजगी जताई। कक्षा तीन की छात्रा कोमल से गणित का प्रश्न हल कराया। सही सवाल को हल करने पर ताली बजवाकर उत्साहवर्धन किया। ग्राम विकास अधिकारी रीतू को विद्यालयों के टॉयलेट का रनिंग वाटर सप्लाई, स्वच्छता, टॉयलीकारण कार्य में शिथिलता बरतने पर निलंबित करने के निर्देश दिए। वही डीपीआरओ को ग्राम प्रधान डहर के विरुद्ध 95-जी का नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। अनुपस्थित मिले सहायक अध्यापक सत्येंद्र कुमार का वेतन रोकने एवं स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए। उच्च प्राथमिक विद्यालय सरेली पहुंच कर ब्लैक बोर्ड पर लिखे हिंदी के शब्दों को बच्चों से पढ़वाया और उनकी रीडिंग स्किल का परीक्षण किया। चतुर्थ श्रेणी कार्मिक वीरपाल गैर हाजिर मिले, इसपर वेतन रोकने एवं स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। डीएम ने बीडीओ को निर्देशित किया कि वह अपने ब्लॉक क्षेत्र के सभी विद्यालयों के शिक्षकों की बैठक ले, जिसमें विद्यालयों की सभी समस्याओं का सचिवों के माध्यम से निदान कराए। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने प्राथमिक विद्यालय सरेली में बिना सूचना के अनुपस्थित शिक्षामित्र सुनीता का मानदेय बाधित करने, स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। किसी भी कक्षा कक्ष में ट्यूबलाइट ना लगे होने और गैस सिलेंडर न भरवाने पर नाराजगी जताते हुए इं. प्रधानाध्यापक अपूर्व श्रीवास्तव पर कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए। परिसर में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यरत आंगनबाड़ी वर्कर पर शिथिल कार्यप्रणाली पर गहरी नाराजगी जताई एवं डीपीओ भारत प्रसाद को कार्यवाही के निर्देश दिए। इस दौरान बीएसए प्रवीण तिवारी, डीपीओ भारत प्रसाद, बीडीओ अमित सिंह परिहार मौजूद रहे।

सैगिलिटी इंडिया की मामूली प्रीमियम के साथ लिस्टिंग, निवेशकों को मिला 3.53

नई दिल्ली

विदेशी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को सर्विस देने वाली कंपनी सैगिलिटी इंडिया के शेयर मामूली प्रीमियम के साथ बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी ने 30 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। बीएसई ओर एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 31.06 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह आईपीओ निवेशकों को सिर्फ 3.53 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिल सका। लिस्टिंग के बाद से ही ये शेयर सीमित दायरे में कारोबार करता नजर आ रहा है। खरीदारी के सपोर्ट से इसने 32.87 रुपये के स्तर तक पहुंचने में सफलता हासिल की। वहीं, बिकवाली का दबाव बनने पर ये शेयर 30.50 रुपये के स्तर तक गिर गया। लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 11:30 बजे सैगिलिटी इंडिया के शेयर 1.54 रुपये की बढ़त के साथ 31.54 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। सैगिलिटी इंडिया का 2,106.60 करोड़ रुपये का आईपीओ 5 से 7 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 3.52 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.93 गुना सब्सक्राइब हुआ था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर के लिए रिजर्व पोर्शन 4.16 गुना और एम्पलाइज का हिस्सा 3.75 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ के तहत कोई भी नया शेयर जारी नहीं किया गया है, जबकि 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 70,21,99,262 शेयर को ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) विंडो के जरिए बेचा गया है।

सैगिलिटी इंडिया का पूरा कारोबार अमेरिका में है। ये कंपनी अमेरिकी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को सर्विस देती है। वित्त वर्ष 2021-22 में इसे 4.67 करोड़

न्यूज ब्रीफ

कोका-कोला इंडिया के लाभ में 41.82 प्रतिशत की गिरावट, कंपनी का मुनाफा 2023-24 में 42 प्रतिशत घटकर 420.29 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। कोका-कोला इंडिया ने अपने आर्थिक अंकड़ों की जानकारी जारी की है, जिसमें खुशखबरी और चुनौती दोनों शामिल हैं। प्रमुख पेय पदार्थ बनाने वाली कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में अपने लाभ में 41.82 प्रतिशत की गिरावट देखी है, जिससे लाभ 420.29 करोड़ रुपये रह गया है। इसी दौरान कोका-कोला इंडिया की कुल आय मार्च 2024 तक 4.24 प्रतिशत बढ़कर 4,713.38 करोड़ रुपये हो गई है। कंपनी ने कंपनी रजिस्ट्रार को इस विवरण की सूचना दी है। इसके साथ ही कंपनी की कुल वार्षिक आय मार्च 2024 तक 4.19 प्रतिशत बढ़कर 4,801.84 करोड़ रुपये हो गई है। कोका-कोला इंडिया के इन वित्तीय आंकड़ों के साथ कंपनी ने अपने कारोबार को माज़बूती से फिर से साबित किया है और विपक्षियों की नैतिक समर्थन को छूने की कौशल की सामर्थ्य साबित की है।

देवोत्थान एकादशी के दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में भी गिरावट

नई दिल्ली। तुलसी विवाह और देवोत्थान एकादशी के दिन घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख बना हुआ है। सोना 550 रुपये से लेकर 600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी के भाव में भी 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,900 रुपये से लेकर 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 72,340 रुपये से लेकर 72,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। सोने की तरह चांदी के भाव में भी कमजोरी आने की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 78,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 78,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,800 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

अमेरिकी प्रतिबंध के बावजूद बढ़ता जा रहा एसपीआईईएफ

नई दिल्ली। सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकानॉमिक फोरम (एसपीआईईएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने देशों के बीच जनता के सहयोग को मजबूत करने की दिशा में कारोबारियों की संख्या में वृद्धि का उल्लेख किया। अमेरिका और पश्चिमी देशों की रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद भारत-रूस व्यापार में वृद्धि की उम्मीदें निहित हैं। उन्होंने बताया कि कोविड के दौरान 13,000 से बढ़कर अब 21,000 प्रतिभागी इस व्यापक मंच में शामिल हो गए हैं। भूराजनीतिक तनावों के बीच अमेरिका ने रूस पर और भारत के संबंधों में नये प्रतिबंध लगाने की कवायद की। एसपीआईईएफ के माध्यम से भारत और रूस के बीच आगे के साथ 2030 तक 100 अरब डॉलर का व्यापार होने की उम्मीद जताई गई है। इस मंच के माध्यम से पिछले साल 6.5 अरब रूबल के सौदे किए गए हैं और इसमें भारत का महत्वपूर्ण स्थान है। भारत और रूस के बीच विभिन्न क्षेत्रों में जुड़े कारोबार मजबूत हो रहे हैं।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशियाई बाजारों में बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से अभी तक मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एशियाई बाजारों में दबाव नजर आ रहा है।

अमेरिका में महंगाई दर के आंकड़े आने के पहले पिछले सत्र के दौरान निवेशक सतर्क मुद्रा में कारोबार करते रहे, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक सपाट स्तर पर मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,001.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत नैस्डेक ने 0.02 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 19,282.91 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.11 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 44,241.88 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा, जिसके कारण यहां के तीनों प्रमुख सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.65 प्रतिशत उछल कर 8,125.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 1.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,426.88 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 233.12 यानी 1.20 प्रतिशत की छलांग लगा कर 19,448.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में बिकवाली का दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि सिर्फ एक सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बना हुआ है। एशियाई बाजारों में से इकलौता जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 0.47 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,300.31 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,202 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.72 प्रतिशत लुढ़क कर 3,712.49 अंक के स्तर तक गिर गया है। ताइवान वेटेड इंडेक्स, हैंग सेंग इंडेक्स और कोस्पी इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ताइवान वेटेड इंडेक्स 448 अंक यानी 1.90 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,081.64 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 353.11 अंक यानी 1.73 प्रतिशत फिसल कर 20,073.82 अंक के स्तर पर और कोस्पी इंडेक्स 1.26 प्रतिशत लुढ़क कर 2,499.70 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 261.50 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 39,271.82 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.46 प्रतिशत टूट कर 1,499.74 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,467.92 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

पिछले 10 साल में भारतीय परिवारों ने शेयर बाजार से 1 ट्रिलियन डॉलर कमाए

नई दिल्ली । भारतीय परिवारों ने अपनी वित्तीय बैलेंस शीट में इक्विटी में सिर्फ 3 फीसदी निवेश किया है, जिसे विश्वस्तरीय निवेश बैंकिंग फर्म ने लेकर इस भाग में संभावित वृद्धि का संकेत दिया है। मॉर्गन स्टेनली के अनुसार पिछले 10 सालों में भारतीय परिवारों ने शेयर बाजार से 1 ट्रिलियन डॉलर की कमाई की है, जिसमें से 11 फीसदी इक्विटी से आया है। अनुमान है कि पिछले दशक में भारतीय परिवारों ने 8.5 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति जोड़ी है, जिसमें से लगभग 2 ट्रिलियन डॉलर इक्विटी से आया है। इसके अलावा भारत में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप मार्च 2014 से बढ़कर अब 5.4 ट्रिलियन हो गया है। यह भारतीय बाजार को ग्लोबल स्तर पर पांचवे स्थान पर पहुंचा देता है। मॉर्गन स्टेनली के एक अधिकारी ने कहा कि भारतीय परिवार अब भी इक्विटी में कम निवेश कर रहे हैं और वह आगे बढ़ सकती है। उनकी रिपोर्ट के अनुसार गिरावट के काल में घरेलू बैलेंस शीट का केवल 3 फीसदी इक्विटी में निवेश किया गया है। दो दशकों में भारतीय शेयरों और अर्थव्यवस्था का व्यवहार दूसरे वित्तीय संकटों के मुकाबले स्थिर रहा है, जिससे भारतीय बाजार को टिकाऊ बनाता है। दोबारा बैलेंस शीट में इक्विटी का हिस्सा बढ़ने की संभावना है। इस दौरान सोने और शेयरों के मेल की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिससे परिवारों को अच्छा रिटर्न मिला है। सोने की प्रतिष्ठा इतनी ही महत्वपूर्ण है कि घरेलू संपति में सोने की हिस्सेदारी बढ़ी है और इससे फायदा हुआ है।

नेशनल टेस्ट हाउस ने एलईडी टॉवर मास्ट लाइट का किया सफल परीक्षण

नई दिल्ली

नेशनल टेस्ट हाउस (एनटीएच) ने चुनौतीपूर्ण स्थितियों के लिए डिजाइन एलईडी टॉवर मास्ट लाइट का सफल परीक्षण किया है। इसको विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण पर्यावरणीय परिस्थितियों, जैसे उप-शून्य, उच्च ऊंचाई वाले वातावरण और अत्यधिक गर्म, धूल भरे रेगिस्तानों के लिए डिजाइन किया गया है।

उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि ये परीक्षण कोलकाता के एनटीएच (ईआर) की लैंप और फोटोमेट्रिक प्रयोगशाला द्वारा किए गए हैं, जिसमें इन नमूनों पर फोटोमेट्रिक, इलेक्ट्रिकल और प्रवेश सुरक्षा (आईपी) परीक्षण मापदंडों का विश्लेषण किया गया था। यह आईएस: 16106-2012, आईएस: 10322: -2014 और विशिष्ट ग्राहक विनिर्देशों का पालन करते हैं।

मंत्रालय के मुताबिक डिजाइन एलईडी टॉवर मास्ट लाइट का यह परीक्षण एक महत्वपूर्ण घटक ऊंचाई पर स्थित था, जो समुद्र तल से 1800 मीटर से ज्यादा की ऊंचाई पर जेनरेटर सेट के साथ इसकी कार्यक्षमता को सत्यापित किया है। इस परीक्षण को पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में सफलतापूर्वक किया गया। यह पर्यावरण परीक्षण का समर्थन करती है और सार्वजनिक भवनों में ऊर्जा-कुशल एलईडी प्रकाश व्यवस्था में परिवर्तन करने, लागत बचत और स्थिरता को बढ़ावा देने की केंद्र सरकार की पहल है।

उल्लेखनीय कि एनटीएच 1912 से राष्ट्र की सेवा करने वाला एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और तकनीकी संस्थान है। भारत की सबसे बड़ी बहु-स्थानीय और बहु-विषयक केंद्रीय सरकारी परीक्षण प्रयोगशाला के रूप में एनटीएच उपभोक्ता मामले विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक अधीनस्थ कार्यालय के रूप में कार्य करता है।

वित्त मंत्री सीतारमण 21-22 दिसंबर को राज्यों के वित्त मंत्रियों से करेंगी मुलाकात

नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट की तैयारियां शुरू हो गई हैं। उद्योग जगत ने हाल ही में अपनी मांगों से संबंधित सिफारिशें सरकार को सौंपी है। इस बीच बजट पूर्व परामर्श और जीएसटी परिषद के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 21-22 दिसंबर को राज्यों के वित्त मंत्रियों के साथ बैठक कर सकती हैं।

आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की 21-22 दिसंबर को होने वाली बजट पूर्व परामर्श और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि राज्यों के वित्त मंत्री एक फरवरी को पेश किए जाने वाले 2025-26 के केंद्रीय बजट के लिए अपनी सिफारिशें पेश करेंगे। इन दो दिनों में से एक दिन जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक होगी, जिसमें स्वास्थ्य और जीवन बीमा पर छूट या जीएसटी दर को कम करने पर बहुप्रतीक्षित महत्वपूण निर्णय होने की संभावना है। इसके अलावा राज्य मंत्रियों के एक पैनल की सिफारिशों के अनुसार कई सामान्य वस्तुओं पर कर दरों को 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी किये जाने की भी संभावना है।

एकीकृत एअर इंडिया और विस्तारा की पहली उड़ान दोहा से तड़के पहुंची मुंबई

एअर इंडिया-विस्तारा एकीकृत विलय के बाद दोहा-मुंबई उड़ान से हुई शुरुआत

नई दिल्ली

टाटा समूह की अगुवाई वाली एअर इंडिया और विस्तारा के विलय के बाद अस्तित्व में आई एकीकृत इकाई की पहली उड़ान देर रात 12.15 बजे दोहा से मुंबई के लिए रवाना हुई, जो मंगलवार तड़के मुंबई पहुंच गई। इस उड़ान का कोड %एआई2286% था। एअर इंडिया-विस्तारा के विलय के बाद बनी एकीकृत इकाई की यह पहली अंतरराष्ट्रीय उड़ान है।

आधिकारिक सूत्रों ने दी जानकारी में बताया कि एअर इंडिया-विस्तारा एकीकृत इकाई की पहली घरेलू उड़ान एआई2984 देर रात मुंबई से दिल्ली के लिए रवाना हुई। इसके लिए ए320 विमान का इस्तेमाल किया गया, जो सुबह राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली पहुंच गई। विलय के बाद विस्तारा की उड़ानें एयर इंडिया संचालित कर रही है। दोनों एयरलाइनों का विलय हो गया है, अब यात्रियों को एअर इंडिया के बोर्डिंग पास जारी किए जा रहे हैं। हवाई अड्डों पर विस्तारा के चेक-इन काउंटर एअर इंडिया के हो गए हैं।

विस्तारा के विमानों के लिए कोड एआई2एक्सएक्सएक्स का इस्तेमाल किया जा रहा है, ताकि हवाई सफर करने वाले यात्रियों को बुकिंग के समय विस्तारा उड़ान की पहचान करने में मदद मिल सके।

विस्तारा, टाटा और सिंगापुर एयरलाइंस के बीच एक संयुक्त उद्यम है, जिसका अब एअर इंडिया के साथ विलय हो गया है। विलय के बाद सिंगापुर एयरलाइंस की विस्तारित एअर इंडिया में 25.1 फीसदी हिस्सेदारी है।

उल्लेखनीय है कि विस्तारा की दिल्ली से सिंगापुर की 'यूके115' उड़ान यूके कोड के साथ अंतिम अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट थी जबकि मुंबई से दिल्ली के लिए 'यूके986' अंतिम घरेलू उड़ान थी। दरअसल, सोमवार रात को विस्तारा के एअर इंडिया में विलय की प्रक्रिया पूरी हो गई।

बिटकॉइन की रिकॉर्डतोड़ तेजी जारी, 90 हजार डॉलर के करीब पहुंची क्रिप्टो करेंसी

इस साल के अंत तक बिटकॉइन के 1 लाख डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद से ही दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन लगातार मजबूती के नए रिकॉर्ड बना रही है। के कारोबार में ये आभासी मुद्रा 90 हजार डॉलर के काफी करीब पहुंच गई। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत का रुझान आने के बाद से ही इस क्रिप्टो करेंसी में तेजी का रुख बना है और पिछले एक हफ्ते में ही इसने करीब 32 प्रतिशत की छलांग लगाई है। माना जा रहा है कि इस साल के अंत तक बिटकॉइन 1 लाख डॉलर के स्तर तक भी पहुंच सकता है।

अमेरिका में चुनाव होने के 1 दिन पहले 4 नवंबर को बिटकॉइन 66,834 डॉलर के स्तर पर कारोबार कर रहा था, जबकि 6 नवंबर को जैसे ही अमेरिका में हुए चुनाव की काउंटिंग में मिल रहे रुझानों से डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने का रास्ता साफ होता नजर आया, वैसे ही ये क्रिप्टो करेंसी 76,401.40 डॉलर के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई। इसके बाद 10 नवंबर को बिटकॉइन ने 80,092 डॉलर के स्तर पर पहुंच कर मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाया। इसके अगले दिन 11 नवंबर को बिटकॉइन ने 81,800 डॉलर तक की छलांग लगाई, जबकि इस क्रिप्टो करेंसी में 89,604.50 डॉलर के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचने में सफलता हासिल की। अमेरिका में चुनाव वाले दिन से लेकर अभी तक बिटकॉइन की कीमत 32.03 प्रतिशत तक तेज हो चुकी है।

जानकारों को कहना है कि बिटकॉइन समेत दूसरे क्रिप्टो करेंसी की कीमत में तेजी आने की सबसे बड़ी वजह डोनाल्ड ट्रंप का वो चुनावी वादा है, जिसमें उन्होंने क्रिप्टो करेंसीज के लिए सपोर्टिव रूल बनाने का की बात कही है। अपने चुनाव प्रचार के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में बिटकॉइन रिजर्व बनाने और घरेलू स्तर पर क्रिप्टो करेंसीज की माइनिंग को बढ़ावा देने के साथ ही डिजिटल एसेट्स के लिए रेगुलेटर की नियुक्ति करने की बात भी कही थी।

दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन की कीमत में इस साल जनवरी से लेकर अभी तक की अवधि में 51 हजार डॉलर से अधिक की तेजी आ चुकी है। इस साल 23 जनवरी को बिटकॉइन 38,500 के स्तर तक गिर गया था, लेकिन उसके बाद इस क्रिप्टो करेंसी की कीमत में काफी तेजी आई है। इस साल 23 जनवरी की कीमत की तुलना में बिटकॉइन की कीमत करीब 51,100 डॉलर उछल चुकी है। यानी 1 साल से भी कम समय में इस क्रिप्टो करेंसी ने दोगुना से भी अधिक रिटर्न दिया है। जानकारों का कहना है कि बिटकॉइन की कीमत में आई तेजी को अमेरिकी इक्विटी ट्रेडेड फंड्स से काफी सपोर्ट मिला है। इसके साथ ही यूएस फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने से भी बिटकॉइन समेत तमाम क्रिप्टो करेंसीज के लिए पॉजिटिव माहौल बना है। अब डोनाल्ड ट्रंप की जीत में भी क्रिप्टो करेंसी मार्केट को जबरदस्त सपोर्ट दिया है, जिसके कारण ज्यादातर प्रमुख क्रिप्टो करेंसीज में तेजी का रुख बना हुआ है। क्रिप्टो करेंसी मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि पिछले एक सप्ताह के दौरान ज्यादातर क्रिप्टो करेंसीज में तेजी का रुख बना हुआ है, लेकिन आने वाले दिनों में इसमें प्रॉफिट बुकिंग की वजह से गिरावट का रुख भी बन सकता है। मार्केट एक्सपर्ट विनीत जैन का कहना है कि नवंबर महीने के अंत में बिटकॉइन समेत ज्यादातर क्रिप्टो करेंसीज की कीमत में मामूली गिरावट आ सकती है, लेकिन इसके बाद दिसंबर में एक बार फिर ज्यादा क्रिप्टो करेंसीज में तेजी का रुख बनेगा। अगर वैश्विक हालात में कोई बड़ा उलटफेर नहीं हुआ, तो इस साल के अंत तक क्रिप्टो करेंसी मार्केट का सरताज बिटकॉइन पहली बार 1 लाख डॉलर के स्तर को भी पार कर सकता है।

अक्टूबर माह के लिए आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ चुने गए नोमान अली

दुबई

पाकिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर नोमान अली को इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में संपन्न तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद मंगलवार को अक्टूबर के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया।

श्रृंखला में अपने शानदार प्रदर्शन की बदौलत उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा और न्यूजीलैंड के स्पिनर मिशेल सेंटनर को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की। इसी के साथ वह पिछले साल अगस्त में बाबर आजम के बाद यह पुरस्कार हासिल करने वाले पहले पाकिस्तानी क्रिकेटर बने।

आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीतने के बाद नोमान ने आईसीसी के हवाले से कहा, मुझे आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर खुशी है और मैं अपने सभी साथियों का बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद की, ताकि पाकिस्तान को इंग्लैंड के खिलाफ ऐतिहासिक घरेलू टेस्ट श्रृंखला जीतने में मदद मिल सके। अपने देश के लिए ऐसी यादगार जीत का हिस्सा बनना हमेशा रोमांचक होता है। बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स गेंदबाज ने अपने सर्वश्रेष्ठ टेस्ट आंकड़े (8/46) हासिल किए और पाकिस्तान को 2021 के बाद से घरेलू धरती पर अपनी पहली टेस्ट जीत दिलाई। नोमान ने दूसरे टेस्ट में अपने शानदार प्रदर्शन को रावलपिंडी में श्रृंखला के अंतिम मुकाबले में भी दोहराया। तीसरे टेस्ट में नंबर 9 पर बल्लेबाजी करते हुए नोमान ने बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया, 45 रनों की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम को पहली पारी में 77 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त दिलाने में मदद की। पाकिस्तान ने अंतिम टेस्ट नौ विकेट से जीता, जिसमें अनुभवी स्पिनर ने छह विकेट लेकर इंग्लैंड को सिर्फ 112 रनों पर आउट कर दिया। नोमान ने अक्टूबर में अपने दो टेस्ट मैचों में दो गेम-चेंजिंग स्पेल दिए, जिसमें 11/147 और 9/130 के आंकड़े शामिल थे, जिससे पाकिस्तान ने पहले टेस्ट में मिली हार के बाद वापसी करते हुए घरेलू टेस्ट श्रृंखला जीतने के अपने तीन साल के सूखे को समाप्त किया।

न्यूज ब्रीफ

रणजी ट्रॉफी : मध्य प्रदेश के खिलाफ मैच के साथ प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगे मोहम्मद शमी

नई दिल्ली। मोहम्मद शमी बुधवार को बंगाल और मध्य प्रदेश के बीच इंदौर में होने वाले रणजी ट्रॉफी मैच के जरिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगे। शमी अभी टीम से नहीं जुड़े हैं, लेकिन बंगाल के कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला ने एक आधिकारिक बयान में पुष्टि की है कि वह आज बाद में इंदौर पहुंचेंगे और खेल में भाग लेंगे। शमी को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) से भी आवश्यक मंजूरी मिल गई है। बेंगलुरू में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद शमी ने भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर को काफी गेंदबाजी की थी और वह अच्छी लय में नजर आए थे। काले रंग की स्लीवलेस टी-शर्ट, शॉर्ट्स और बाएं घुटने पर पट्टी बांधे शमी ने बाएं हाथ के नायर को राउंड द विकेट से गेंदबाजी की, लगातार गुड लेंथ एरिया में गेंद डाली और कभी-कभी बाउंसर भी फेंके। हालांकि, शमी को बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के लिए टीम में नहीं चुना गया। उन्होंने पिछले साल वनडे विश्व कप फाइनल के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मैच नहीं खेला है, जहां वे टूर्नामेंट के शीर्ष विकेट लेने वाले गेंदबाज थे, उन्होंने सात मैचों में 10.70 की शानदार औसत से 24 विकेट लिए थे।

जापान मास्टर्स 2024: ट्रीसा-गायत्री की जोड़ी पहले दौर में बाहर

नई दिल्ली। भारतीय युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को मंगलवार को कुमामोटो मास्टर्स जापान सुपर 500 टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में चीनी ताइपे की जोड़ी सू यिन-हुई और लिन झिह युन की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा। विश्व में 20वें नंबर की भारतीय जोड़ी को चीनी ताइपे की 24वीं रैंकिंग वाली जोड़ी ने सीधे गेमों में 16-21, 16-21 से हराया। यह मैच 36 मिनट तक चला। यह पहली बार है जब यिन-हुई और झीह युन ने भारतीय जोड़ी के खिलाफ जीत हासिल की है, जो अभी भी आमने-सामने के मुकाबलों में 2-1 से आगे हैं। टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने वाले अन्य भारतीयों में पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन शामिल हैं। सिंधु अपने अभियान की शुरुआत आठवीं वरीयता प्राप्त थाई खिलाड़ी बुसानन ओंगबामरुंगफान के खिलाफ करेंगी, जबकि सेन का सामना मलेशिया की लियोंग जुन हाओ से होगा।

विश्व कप क्वालीफायर के लिए चिली की टीम में विडाल की वापसी

सैंटियागो। चिली फुटबॉल महासंघ ने सोमवार को कहा कि अनुभवी मिडफील्डर आर्टुरो विडाल को पेरू और वेनेजुएला के खिलाफ होने वाले फीफा विश्व कप क्वालीफायर के लिए चिली की टीम में वापस बुलाया गया है। 37 वर्षीय खिलाड़ी विलियम्स अलारकोन की जगह लेंगे, जो अर्जेंटीना की टीम हुराकन के लिए खेलते समय चोटिल होने के बाद टीम से हट गए थे। 142 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके विडाल ने पिछले साल सितंबर से चिली के लिए नहीं खेला है और टीम के खराब प्रदर्शन के बीच चिली के मैनेजर रिकार्डो गारेका की मुखर आलोचना करते रहे हैं। पूर्व बार्सिलोना, बायर्न म्यूनिख, जुवेंटस और इंटर मिलान स्टार वर्तमान में कोलो-कोलो के लिए खेलते हैं और उन्होंने सैंटियागो स्थित टीम को इस साल चिली का शीर्ष-स्तरीय खिताब दिलाने में मदद की। चिली शुक्रवार को लीमा में पेरू से और चार दिन बाद सैंटियागो में वेनेजुएला से भिड़ेगा। गारेका की टीम फिलहाल दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप में 10 मैचों में पांच अंक लेकर अंतिम स्थान पर है। 10 टीमों की तालिका में पेरू नौवें और वेनेजुएला आठवें स्थान पर है।

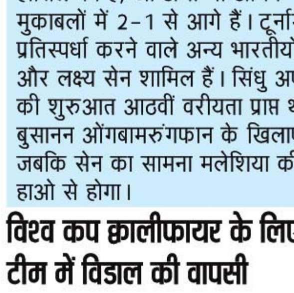

सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बल्लेबाजी में सुधार करना चाहेगा भारत

नई दिल्ली

भारत को बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जीत हासिल करने के लिए सेंचुरियन स्थित सुपरस्पोर्ट पार्क की अपरिचित परिस्थितियों में अपने खेल में सुधार करना होगा।

2009 के बाद से, भारत ने इस मैदान पर केवल एक टी20 मैच खेला है, आखिरी मैच 2018 में खेला था, जिसमें उसे छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। उस टीम से टीम में केवल एक हार्दिक पांड्या बचे हैं।

इस अपरिचितता के साथ-साथ, भारत को अपने बल्लेबाजों के सामान्य फॉर्म से भी जूझना होगा, खासकर तब जब यहाँ की पिच को गेकेबरहा की पिच के समान तेज़ और उछाल वाली बताया जा रहा है।

दूसरे टी20 मैच में, भारत के बल्लेबाजों को दक्षिण अफ्रीकी तेज़ गेंदबाज़ों के सामने संघर्ष करना पड़ा, जिसके कारण टीम 20 ओवर में 124 रन ही बना सकी। सेंचुरियन की भी यही स्थिति है।

समस्या शीर्ष से शुरू होती है - खासकर अभिषेक शर्मा के साथ, जिनका बल्ले से खराब प्रदर्शन अब गंभीर चिंता का विषय बन गया है। प्रबंधन द्वारा संयोजन में बदलाव करने से पहले उन्हें यहां अच्छे प्रदर्शन की सख्त जरूरत है।

अभी भी, वे संजू सैमसन के साथ शीर्ष पर जोड़ी बनाने का काम तिलक वर्मा को देने और मध्य में रमनदीप सिंह को लाने के बारे में सोच सकते हैं ताकि इकाई में और ताकत आ सके।

हालांकि, कप्तान सूर्यकुमार यादव, हार्दिक और रिंकू सिंह जैसे वरिष्ठ बल्लेबाज भी भारत के संघर्ष के लिए खुद को पूरी तरह से दोषमुक्त नहीं कर सकते।

सूर्यकुमार और रिंकू दोनों ने यहां अपनी क्षमता की केवल क्षणिक छवि दिखाई है, जबकि हार्दिक ने दूसरे मैच में 39 रन बनाए, लेकिन इसके लिए उन्होंने 45 गेंदें खेलीं। वास्तव में, पावर-हिटर ने अपनी पहली बाउंड्री लगाने के लिए 28 गेंदें लीं और फिर से, 39 और 45 गेंदों के बीच बाउंड्री नहीं लगा सके।

इसलिए, इन तीनों बल्लेबाजों को फॉर्म में चल रहे सैमसन का साथ देने के लिए और भारत को मजबूत स्कोर तक पहुंचाने के लिए अधिक योगदान देना होगा।

इसी तरह, तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आवेश खान ने दो अलग-अलग मैच खेले। अर्शदीप ने डरबन में 25 रन देकर और दूसरे मैच में 41 रन देकर एक विकेट लिया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज के तीसरे और चौथे ओवर में 28 रन बने - जिसमें ट्रिस्टन स्टब्स के खिलाफ एक ओवर में चार चौके शामिल थे - जिसने कम स्कोर वाले मैच पर गहरा प्रभाव डाला।

इसलिए, वे यहां स्क्रिप्ट बदलने के लिए उत्सुक होंगे, जब तक कि प्रबंधन यश दयाल या वैसाख विजयकुमार जैसे अन्य विकल्पों पर विचार नहीं करता।

हालांकि, पिछले मैच में अपना पहला पांच विकेट लेने वाले वरुण चक्रवर्ती और पिछले दो मैचों में रवि बिश्नोई के प्रयास शानदार रहे हैं और स्पिनर तीसरे मैच में भी भारत को बढ़त दिलाने के लिए एक बार फिर से प्रयास करेंगे। यहां पिच पर अपेक्षित उछाल और गति भारतीय जोड़ी के लिए एक उत्साहजनक कारक होगी।

बल्लेबाजी के नजरिए से, दक्षिण अफ्रीका को भी इसी तरह की समस्या का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि वरिष्ठ पेशेवर कप्तान एडेन मार्करम, डेविड मिलर और हेनरिक क्लासेन इस श्रृंखला में अभी तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

उन्हें दूसरे मुकाबले में जीत हासिल करने के लिए ट्रिस्टन स्टब्स और गेराल्ड कोएट्जी जैसे कम अनुभवी बल्लेबाजों से रन की जरूरत थी, और प्रोटियाज निश्चित रूप से अपने अनुभवी खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे, खासकर भारतीय स्पिनरों के खिलाफ।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं:

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या। अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह। वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, विजयकुमार विशक, अवेश खान, यश दयाल।

दक्षिण अफ्रीका: एडेन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएत्ज़ी, डोनोवन फरेरा, रीज़ा हेंड्रिक्स, मार्को जानसन। हेनरिक क्लासेन, पैट्रिक क्रूगर। केशव महाराज, डेविड मिलर, मिहलाली मपोंगवाना, नकाबा पीटर, रयान रिकेल्टन। एंडिले सिमलेन। लूथो सिपाम्ला, ट्रिस्टन स्टब्स।

घाना के आठ फुटबॉलर एएफसीओएन क्वालीफायर से हटे

अकरा

घाना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के आठ खिलाड़ियों ने आगामी अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (एएफसीओएन) क्वालीफायर से नाम वापस ले लिया है। घाना फुटबॉल एसोसिएशन ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। देश की फुटबॉल शासी संस्था के अनुसार, सभी खिलाड़ियों ने मुख्य रूप से चोट और व्यक्तिगत कारणों से नाम वापस लिया है।

इन आठ खिलाड़ियों में इनाकी विलियम्स, तारिक लैम्पटे, जोनास एडजेटी, जेरोम ओपोकू, एंटोनी सेमेनियो, अलेक्जेंडर डिजीकू, इब्राहिम उस्मान और जोसेफ पेंटसिल शामिल हैं। कोच ओटो एडो ने अंगोला और नाइजर के खिलाफ अपने महत्वपूर्ण एएफसीओएन क्वालीफायर से पहले टीम से हटने वाले खिलाड़ियों की जगह लेने के लिए छह अतिरिक्त खिलाड़ियों ओस्मान बुकारी, रैन्सफोर्ड येबोआ कोनिग्सडॉर्फर, फोर्सन अमानक्वा, टेरी येगबे, एबेनेजर अन्नान और किंग्सले शिंडलर को बुलाया है। वर्तमान में ग्रुप एफ में दो अंकों के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद घाना (निचले स्थान पर मौजूद नाइजर से एक अंक अधिक) अगले साल मोरक्को में होने वाले एएफसीओएन में जगह पक्की करने के लिए शेष दो मैचों से अंक हासिल करना चाहता है। घाना शुक्रवार, 15 नवंबर को अंगोला का सामना करेगा और सोमवार, 18 नवंबर, 2024 को नाइजर की मेजबानी करेगा।

बिली जीन किंग कप फाइनल की शुरुआत स्पेन में, बाढ़ पीड़ितों पर दिया जाएगा विशेष ध्यान

मैड्रिड। बिली जीन टेनिस किंग कप फाइनल इस सप्ताह मालागा में शुरू होगा, जो डेविस कप के साथ साझेदारी में होगा तथा इसमें हाल ही में पूर्वी स्पेन में आई विनाशकारी बाढ़ के पीड़ितों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। यह पहली बार होगा कि महिला टीम टूर्नामेंट डेविस कप के समान ही स्थल पर आयोजित किया जाएगा और दोनों की तिथियां एक दूसरे से ओवरलैप होंगी। और लगातार दूसरे वर्ष, इसमें पुरुषों की प्रतियोगिता के बराबर पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। महिलाओं का यह आयोजन दो सप्ताह बाद शुरू हो रहा है, जब एक शक्तिशाली तूफान के कारण अचानक बाढ़ आ गई थी, जिसमें मालागा के पूर्व में वालेंसिया क्षेत्र में 200 से अधिक लोग मारे गए थे। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ ने क्षेत्र में राहत और पुनर्प्राप्ति प्रयासों का समर्थन करने के लिए स्पेनिश रेड क्रॉस को दान देने की घोषणा की, और स्पेनिश खिलाड़ी पाउला बडोसा ने कहा कि वह पीड़ितों की मदद के लिए अपनी पुरस्कार राशि का आधा हिस्सा दान करेंगी।

2025 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वनडे से संन्यास लेंगे मोहम्मद नबी

नई दिल्ली

अफगानिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नबी ने घोषणा की है कि वह अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के बाद एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास ले लेंगे।

सोमवार को बांग्लादेश पर अफगानिस्तान की 2-1 से सीरीज़ जीत के बाद, 39 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वह पिछले साल के वनडे विश्व कप के बाद से ही इस प्रारूप को छोड़ने के बारे में सोच रहे थे।

मैन ऑफ़ द सीरीज़ चुने जाने के बाद उन्होंने आधिकारिक प्रसारक से कहा, मेरे दिमाग में, पिछले विश्व कप से ही, मैं रिटायर हो चुका था। लेकिन फिर, हमने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालीफाई किया, और मुझे लगा कि अगर मैं उसमें खेल पाया, तो यह बहुत अच्छा होगा।

नबी ने 2009 से अब तक 167 वनडे मैचों में हिस्सा लिया है, जिसमें उन्होंने 147 पारियों में 27.48 की औसत और 86.99 की स्ट्राइक रेट से 3,600 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और 17 अर्द्धशतक शामिल हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 136 रन रहा है।

गेंद के साथ, उन्होंने 161 पारियों में 32.47 की औसत और 4.27 की इकॉनमी से 172 विकेट लिए हैं, जिसमें चार बार चार विकेट और एक बार पांच विकेट (5/17) शामिल हैं।

अफगानिस्तान ने पिछले साल के विश्व कप के दौरान छठे स्थान पर रहने की बदौलत चैंपियंस ट्रॉफी के लिए क्वालीफाई किया। यह अगले साल फरवरी में पाकिस्तान में होने वाली आठ टीमों की प्रतियोगिता में अफगानिस्तान की पहली उपस्थिति भी होगी।

जननिक सिनर ने घरेलू दर्शकों के सामने जीता नंबर वन रैंकिंग ट्रॉफी

ट्यूरिन

इटली के टेनिस खिलाड़ी जननिक सिनर को सोमवार को घरेलू दर्शकों के सामने एटीपी नंबर 1 वन की ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। सोमवार को एक समारोह के दौरान पूर्व विश्व नंबर 1 बोरिस बेकर और एटीपी चेयरमैन ने अग्रणी एटीपी नंबर 1 क्लब का अनावरण किया। यह क्लब खेल के शिखर पर पहुंचने वाले पूर्व और वर्तमान एटीपी खिलाड़ियों का सम्मान करने के लिए बनाया गया था।

सिनर ने अपने पहले दो ग्रैंड स्लैम खिताब ऑस्ट्रेलियन ओपन और यू.एस. ओपन के रूप में जीते। उन्होंने गणितीय रूप से एक महीने पहले वर्ष के अंत में नंबर 1 का खिताब हासिल किया।

सिनर ने कहा, इस ट्रॉफी का जश्न मनाने के लिए इससे बेहतर कोई जगह नहीं है। वहीं, उनकी माँ सिग्लिंडे ने भावुक होते हुए कहा, आप सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद।

23 वर्षीय सिनर वर्ष के अंत में यह सम्मान पाने वाले 19वें और कुल मिलाकर 29वें खिलाड़ी हैं।

शीर्ष आठ खिलाड़ियों के लिए साल के आखिरी इवेंट में रविवार को अपने शुरुआती मैच में सिनर ने एलेक्स डी मिनौर को हराया और अब मंगलवार को फाइनल में टेलर फ्रिट्ज़ से भिड़ेंगे।

सिनर पहली बार अपने घर पर खेल रहे हैं, क्योंकि उनके यू.एस. ओपन खिताब से पहले यह घोषणा की गई थी कि इस साल दो अलग-अलग ड्रग टेस्ट में उनका परीक्षण सकारात्मक आया है।

सिनर को गलत कामों से मुक्त करने के फैसले के खिलाफ विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी ने सितंबर में अपील की थी। इस मामले में अंतिम फैसला अगले साल की शुरुआत में आने की उम्मीद है।

उमा महेश ने एफआईएसयू विश्व विश्वविद्यालय चैम्पियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली

उमा महेश ने सोमवार को नई दिल्ली के करणी सिंह स्टेडियम में प्रतिष्ठित एफआईएसयू वर्ल्ड यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। 10 मीटर एयर राइफल पुरुष टीम स्पर्धा में भाग लेते हुए, उमा ने अपने साथियों के साथ मिलकर प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए महत्वपूर्ण जीत हासिल की।

ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग की गन फॉर ग्लोरी अकादमी के 20 वर्षीय युवा खिलाड़ी ने पदक के साथ अपने खाते में एक और पदक जोड़ लिया, जिसमें दो आईएसएसएफ विश्व कप स्वर्ण पदक और एक एशियाई चैम्पियनशिप स्वर्ण पदक जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार भी शामिल हैं।

आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा शहर से ताल्लुक रखने वाले उमा एक सहायक परिवार से आते हैं, जिनके माता-पिता ने शुरू से ही शूटिंग में उनके सफर में उनका साथ दिया है। उनके पिता, मद्दीनेनी राम कृष्ण, जो पेशे से ठेकेदार हैं, ने अपने बेटे के खेल के प्रति आकर्षण को पहचानते हुए उन्हें इस खेल से परिचित कराया। शूटिंग को समाचारों में देखने के बाद, उन्हें विश्वास हो गया कि उनके बेटे का भविष्य भी इसी क्षेत्र में हो सकता है। उमा की माँ, मद्दीनेनी मंजुला, भी निरंतर प्रोत्साहन का स्रोत रही हैं। साथ मिलकर, उन्होंने सुनिश्चित किया कि उमा को सभी आवश्यक संसाधन और प्रशिक्षण सुविधाएँ उपलब्ध हों।

शूटिंग कोच नेहा चव्हाण द्वारा प्रशिक्षित उमा गन फॉर ग्लोरी अकादमी के प्रोजेक्ट लीप कार्यक्रम का भी हिस्सा हैं। इस परियोजना का उद्देश्य खेल के तकनीकी, शारीरिक और मानसिक पहलुओं के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित करके एथलीटों में सर्वश्रेष्ठ लाना है। इस बहुआयामी दृष्टिकोण का लक्ष्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आशाजनक परिणाम सुनिश्चित करना है।

उमा ने अकादमी, अपने कोच और नारंग को उनके निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा, मेरी कोच नेहा चव्हाण ही हैं जो हमेशा मेरे साथ रहीं और एक कोच और अभिभावक के रूप में मेरे समर्थन में मेरी मदद की। मैं प्रोजेक्ट लीप का भी हिस्सा हूँ, जो एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसने मेरी शूटिंग को बेहतर बनाने और मेरे कौशल को निखारने में एक प्रमुख भूमिका निभाई है। मैं इस अवसर के लिए गगन सर और गन फॉर ग्लोरी अकादमी को धन्यवाद देना चाहूँगा, जिसने पिछले कुछ वर्षों में मेरे प्रदर्शन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।

2012 ओलंपिक कांस्य पदक विजेता गगन नारंग ने उमा की इस उपलब्धि की प्रशंसा करते हुए कहा, हमें अपनी अकादमी में उमा जैसे खिलाड़ियों पर बेहद गर्व है, जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश को गौरवान्वित कर रहे हैं। खेल के प्रति उनके समर्पण और लक्ष्य पर ध्यान ने उन्हें हमेशा कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया है और प्रोजेक्ट लीप कार्यक्रम के समर्थन से उन्होंने अपनी ताकत को बेहतर बनाया है और अपनी कमजोरियों को सुधारने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया है। गन फॉर ग्लोरी का उद्देश्य ऐसी प्रतिभाओं को खोजना और उन्हें पेशेवर उत्कृष्टता प्राप्त करने की दिशा में मार्गदर्शन करना है। हम इस बात से उत्साहित हैं कि उमा जैसे निशानेबाज अकादमी को अपना लक्ष्य हासिल करने में मदद कर रहे हैं और पूरे देश को गौरवान्वित कर रहे हैं।

ऑफिस में खुद ब खुद चलती हैं कुर्सियां

इससे पहले कि आप इस बात को तकनीकी से जोड़कर देखें, तो हम आपको बता दें कि ये बातें किसी तकनीकी की हिस्सा नहीं है। न ही किसी जादूगर के शो का। ये जगह इंग्लैंड के शहर मानचेस्टर में है, जो एक कार्यालय के तौर पर बना है। पर यहां से रात में सीसीटीवी की जो रिकॉर्डिंग सामने आई हैं, डराने वाली हैं। इस ऑफिस में रात के अंधेरे में कुर्सियां अपने आप घूमती हैं। उड़ती हैं। गिरती हैं औ टूटती भी है। लोग इस जगह को भूतहा मानते हैं। इस बिल्डिंग का नाम कैसलफील्ड हॉउस है, जो मानचेस्टर शहर के लिवरपूड रोड पर है। लोगों का कहना है कि इस ऑफिस में अजीब हरकतें होती रहती हैं। कई कर्मचारियों को लगता है कि कोई उनका पीछा कर रहा है, या उन्हें किसी ने धक्का दिया। भूतों की मौजूदगी के दावे करने वाला ये वीडियो सन 2012 साल में ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था, अपने इंटनेट की दुनिया पर आते ही। पर ये वीडियो लोग अब भी साझा कर रहे हैं। हालांकि भूतों के मामलों के जानकार एक व्यक्ति का कहना है कि पिछले 20 सालों के करियर में ऐसा मामला देखने को नहीं मिला। ये वीडियो फर्जी है और बहुत ही चालाकी से बनाया गया है।

शराब छोड़ना चाहते हैं, तो धूम्रपान को कहें ना!

यदि आप शराब छोड़ने की कोशिश कर रहे हैं, तो सिगरेट छोड़ने पर ध्यान दीजिए, यह आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होगा। धूम्रपान करने वालों द्वारा धूम्रपान न करने वालों की तुलना में शराब का सेवन दोबारा शुरू करने का जोखिम अधिक होता है। धूम्रपान छोड़ने वाले किसी भी व्यक्ति के स्वास्थ्य में सुधार होता है। शराब की आदत से छुटकारा पाने वाले वयस्क व्यक्ति का सिगरेट की लत से छुटकारा पाना अधिक महत्वपूर्ण है।

नेल पेंट लगाने से डैमेज हो सकती है किडनी

हर लड़की चाहती है कि वह खूबसूरत दिखे, लोग उनके हुस्न की तारीफ करें। सुंदर और खूबसूरत दिखने के लिए वह महंगे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स और तरह-तरह के घरेलू नुस्खें अजमाती हैं। चेहरे के साथ-साथ वह अपनी बॉडी का भी ध्यान रखती हैं। हाथों को नेल पेंट से सजाती हैं शायद यह काम आप भी करती होंगी लेकिन क्या आप सिर्फ खूबसूरती चाहती है अच्छी सेहत नहीं?

जी हां, आपको बता दें कि नेल पेंट लगाना हमारी सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है।

- नेल पेंट में पाया जाने वाला कैमीकल त्वचा और आंखों के संपर्क में आने पर सेहत पर बुरा असर डालता है । नेल पॉलिश में Formaldehyde नाम का एक कैमीकल होता है जो नेल पेंट को चिपचिपा बनाने में मदद करता है। इस कैमीकल का त्वचा के संपर्क में आने से खुजली की परेशानी हो सकती है, जिसके गंभीर परिणाम आपको भुगतने पड़ सकते हैं।

- नेल पॉलिश में Phthalates नामक एक ऑयली कैमीकल भी होता है, जो लगाते समय इसमें क्रैक नहीं पड़ने देता लेकिन जब यह आंख और मुंह के संपर्क में आता है तो इंफैक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है। वहीं, इसकी वजह से नाक और गले में इंफैक्शन तक हो सकता है।
- नेल पॉलिश में मौजूद Toluene कैमीकल इसमें मौजूद सभी तत्वों को मिलाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसकी वजह से सिर दर्द, त्वचा संबंधी समस्याएं आदि हो सकती हैं। वहीं अगर यह कैमीकल बहुत अधिक मात्रा में शरीर में पहुंच जाए तो लीवर और किडनी तक को डैमेज कर देता है।

तो अब अगली बार अगर नेल पॉलिश लगाए तो ध्यान रखें कि उसे अपनी आंख, नाक, स्किन और मुंह से दूर रखें जितना जल्दी हो सके, इसे हटा लें।

सफेद बालों की समस्या को दूर करने के घरेलू टिप्स

कई ऐसे घरेलू उपाय हैं, जो सफेद होते बालों की समस्या को दूर कर सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ हमारे घरेलू नुस्खों की पोटली से निकले कुछ बेहद असरदार उपाय।

आंवले का कमाल

छोटा सा दिखने वाला आंवला न केवल आपकी सेहत के लिए गुणकारी है बल्कि इससे नियमित उपयोग से सफेद होते बालों की समस्या से भी निजात मिलती है। आंवले को न सिर्फ डाइट में शामिल करें बल्कि मेंहदी में मिलाकर इसके घोल से बालों की कंडिशनिंग करते रहें। चाहे तो आंवले को बारीक काट लें और गर्म नारियल तेल में मिलाकर सिर पर लगाएं।

बड़े काम की छोटी सी मिर्च

काली मिर्च खाने का स्वाद तो बढ़ाती है, साथ ही इससे सफेद होते बाल भी काले होने लगते हैं। इसके लिए काली मिर्च के दानों को पानी में उबाल कर उस पानी को बाल धोने के बाद सिर में डालें। लंबे समय तक बालों में इस तरह करने से यह असर दिखाती है।

कॉफी और काली चाय

अगर आप सफेद होते बालों से परेशान हैं तो ब्लैक टी और कॉफी का इस्तेमाल करें। सफेद हो चुके बालों को अगर आप ब्लैक टी या कॉफी के अर्क से धोएंगें तो आपके सफेद होते बाल दोबारा से काले होने लगेगें। ऐसा आप दो दिन में एक बार जरूर करें।

दही से करें सफेदी पर वार

सफेद होते बालों का रंग प्राकृतिक रूप से बदलने के लिए दही का इस्तेमाल करें। इसके लिए हिना और दही को बराबर मात्रा में मिलाकर पेस्ट बना लें और इस पेस्ट को बालों में लगाइए। इस घरेलू उपचार को हफ्ते में एक बार लगाने से ही बाल काले होने लगते हैं।

भृंगराज और अश्वगंधा

भृंगराज और अश्वगंधा की जड़ें बालों के लिए वरदान मानी जाती हैं। इनका पेस्ट बना कर नारियल तेल में मिलाकर बालों की जड़ों में एक घंटे के लिए लगाएं। फिर बालों को गुनगुने पानी से अच्छी तरह से धो लें। इससे बालों की कंडीशनिंग भी होगी और बाल काले भी होंगे।

प्याज करे बड़े-बड़े काज

प्याज आपके सफेद बालों को काला करने में मदद करता है। कुछ दिनों तक रोजाना नहाने से कुछ देर पहले अपने बालों में प्याज का पेस्ट लगाएं। इससे आपके सफेद बाल काले होने शुरू हो ही जाएंगे, बालों में चमक आएगी और साथ ही बालों का गिरना भी रुक जाएगा।

एलोवेरा में है गजब का जादू

बालों में एलोवेरा जेल लगाने से भी बालों का झड़ना और सफेद होना बंद हो जाता है। इसके लिए आप एलोवेरा जेल में नींबू का रस बना कर पेस्ट बना लें और इस पेस्ट को बालों में लगाएं।

कढ़ी पत्ता करे बड़े कमाल

सफेद हो रहे बालों के लिए कढ़ी पत्ता बहुत ही अच्छा होता है। नहाने से पहले कढ़ी पत्ते को नहाने के पानी में छोड़ दें और एक घंटे के बाद उस पानी से सिर धो लें। या फिर आंवले की तरह कढ़ी पत्ते को भी बारीक काटकर और गर्म नारियल तेल में मिलाकर सिर पर लगाएं। इससे भी लाभ होगा।

दूध के अद्भुत लाभ

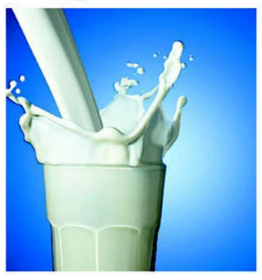

गाय के दूध के फायदों के बारे में कौन नहीं जानता, लेकिन क्या आपको यह भी पता है कि गाय का दूध सफेद बालों को भी काला बना सकता है। गाय का दूध बालों में लगाने से बाल कुदरती तौर पर काले होने लगते हैं। ऐसा हफ्ते में एक दिन करें और देखिए कैसे खिल जाते हैं आपके बाल।

देसी घी से मालिश

बुजुर्गो को अकसर आपने सिर पर देसी घी से मालिश करते हुए देखा होगा। घी से मालिश करने से त्वचा को पोषण मिलता है। प्रतिदिन शुद्ध घी से सिर की मालिश करके भी बालों के सफेद होने की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।

एलोवेरा जूस पीकर कम करें मोटापा

एलोवेरा हमारे शरीर और बालों के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। यह बात तो सब जानते ही हैं लेकिन एलोवेरा मोटापा कम करने में भी आपकी मदद करता है। शायद यह बात आपको पहले नहीं पता थी। जी हां, एलोवेरा जूस वजन कम करने में भी सहायक है। एलोवेरा जैल कई तरह से इस्तेमाल किया जा सकता है। एलोवेरा में कई प्रकार के विटामिन्स, मिनरल्स और एंजाइम्स पाए जाते हैं जो मोटापा कम करता है। एलोवेरा जैल पानी या जूस के साथ मिलाकर पीया जा सकता है लेकिन ध्यान रहें इसका सेवन करने से पहले डाक्टरी सलाह जरूर ले लें।

कैसे बनाएं एलोवेरा जूस

एलोवेरा और फल का रस

एलोवेरा में से जैल निकाल कर उसको किसी भी फल के रस के साथ मिलाकर पीया जा सकता है।

एलोवेरा जैल और जूस

एलोवेरा को छील कर इसके जैल को निकाल लें। एलोवेरा के जूस को 2 हफ्तों तक पीया जा सकता है। इससे शरीर को आवश्य ही लाभ होगा।

एलोवेरा और नींबू

एलोवेरा के रस को नींबू के साथ मिलाकर इसे पीया जा सकता है।

एलोवेरा और शहद

मोटापा कम करने के लिए एलोवेरा के साथ शहद बहुत फायदेमंद होती है। एक गिलास एलोवेरा जूस में 1 चम्मच शहद को अच्छी तरह से मिक्स करके पीने से फैट कम होती है।

एलोवेरा और पानी

एलोवेरा के रस को पानी में डालकर पीने से भी मोटापा कम होता है।

पार्टी के बाद होने वाले हैंगओवर से बचने में मदद करेंगे ये कारगर नुस्खे

नए साल का जश्न हो और ड्रिंक की बात न हो तो पार्टी फीकी मानी जाती है। लेकिन पार्टी के चक्कर में लोग कई बार इतनी ज्यादा ड्रिंक कर लेते हैं, जिससे नए साल का बाकी बचा दिन ज्यादातर सोते और रोते बीतता है। तो इसे हैपनिंग बनाने के लिए जरूरी है नशे के खुमार को उतारना, जानेंगे कैसे।

केला

बहुत ज्यादा हैंगओवर हो रखा है तो एक साथ दो से तीन केले खाएं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम जहां ब्लड वेसेल्स को रिलैक्स करता है वहीं पोटैशियम इलेक्ट्रोलाइट को बैलेंस करता है। जो हैंगओवर से छुटकारा दिलाने में फायदेमंद होते हैं।

आलू

हैंगओवर होने पर आलुओं को बिना छिले इस्तेमाल करें। पोटैशियम की मात्रा लिए हुए आलू हैंगओवर उतारने का कारगर फॉमूर्ला होता है। इसे हल्का फ्रॉय करके खाना टेस्टी होने के साथ ही हेल्दी भी होता है।

दही

किसी भी ऐसे फूड जिसमें कैल्शियम की मात्रा अच्छी होती है वो सिर के दर्द को दूर करने में बहुत ही असरदार होता है। दही में बहुत सारा कैल्शियम होता है जिसे खाकर हैंगओवर से निपटा जा सकता है।

ऑयली फूड्स

पार्टी के बाद होने वाले हैंगओवर से बचने के लिए पार्टी में जाने से पहले ऑयली फूड्स खाना फायदेमंद रहेगा। ऑयली

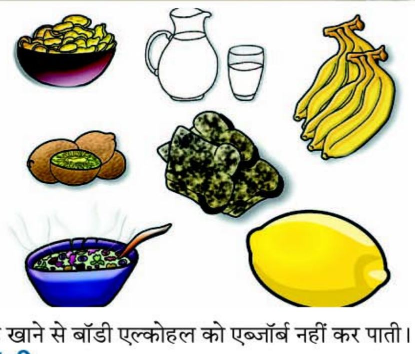

फूड खाने से बॉडी एल्कोहल को एब्जॉर्ब नहीं कर पाती।

कॉफी

हैंगओवर के कारण हो रहे सिरदर्द को कॉफी पीकर काफी हद तक दूर किया जा सकता है। लेकिन दूध वाली कॉफी के बजाय ब्लैक कॉफी पिएं। इसमें मौजूद कैफीन जल्द असर करता है।

नारियल पानी

हैंगओवर दूर करने के लिए नारियल पानी पीना फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद मिनरल्स पेट साफ करने का काम करते हैं। बहुत ज्यादा हैंगओवर होने पर जितनी बार हो सके इसे पिएं।

पानी

पानी बॉडी के टॉक्सीफिकेशन के लिए सबसे जरूरी और आसानी से अवेलेबल होने वाली चीज है। ज्यादा एल्कोहल पीने से बॉडी में पानी की कमी हो जाती है। इससे बचने के लिए ड्रिंक के साथ भी और ड्रिंक के बाद भी ज्यादा से ज्यादा मात्रा में पानी पिएं।

नींबू,चीनी,नमक

चीनी और नमक का घोल हैंगओवर दूर करने का सबसे कारगर फॉमूर्ला माना गया है। एल्कोहल के कारण बॉडी में कम हुई पानी की मात्रा को इसे पीकर दूर किया जा सकता है।

शहद

हैंगओवर दूर करने के लिए शहद पीना भी अच्छा ऑप्शन है। इसमें मौजूद फ्रक्टोज बॉडी के लिए अच्छा होता है। चाहे तो शहद को सीधे खा भी सकते हैं या पानी में मिलाकर पिया भी जा सकता है।

फ्रूट जूस

घरेलू नुस्खे के तौर पर फ्रूट जूस पिएं क्योंकि ये विटामिन्स और फाइबर से भरपूर होते हैं। काले नमक और नींबू की थोड़ी ज्यादा मात्रा जूस में मिलाकर पिएं। काला नमक और फ्रूट में मौजूद फाइबर बॉडी के सारे टॉक्सिक को बाहर निकाल देता है जिससे हैंगओवर से राहत मिलती है।

अदरक

अदरक के छोटे-छोटे टुकड़े कर इसे पानी के साथ उबालें। इसमें अजवायन और नींबू का रस डाल सकते हैं। थोड़ा उबालने के बाद इसे छानकर इसका पानी पीने से भी हैंगओवर दूर होता है।

रेसिपी

क्रिमी स्पिनॅच टोस्ट

सामग्री

8 टोस्ट किए हुए गेहूं के ब्रेड स्लाईस, **स्पिनॅच टॉपिंग के लिए:** 3 कप बारीक लंबी कटी हुई पालक, 1 टेबल-स्पून लो-फैट मक्खन, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, एक चुटकी बेकिंग सोडा, 1 टेबल-स्पून कोर्नफ्लार , 3/4 कप ठंडे लो-फैट दूध , 99.7% वसा मुक्त , में घोला हुआ, नमक स्वादअनुसार **अन्य सामग्री:** 2 टी-स्पून कसा मोजरैला चीज, टोबेस्को सॉस (ऐच्छिक)

विधि

स्पिनॅच टॉपिंग के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में मक्खन गरम करें, प्याज और हरी मिर्च डालकर, मध्यम आंच पर 1-2 मिनट के लिए भून लें। पालक और बेकिंग सोडा डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट के लिए पका लें। कॉर्नफ्लार-दूध का मिश्रण डालकर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 2-3 मिनट या मिश्रण के गाढ़ा होने तक, लगातार हिलाते हुए पका लें। ठंडा कर मिश्रण को 8 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें।

आगे बढ़ने की विधी: प्रत्येक टोस्ट किए हुए ब्रेड पर तैयार टॉपिंग के एक भाग को अच्छी तरह फैला लें, ऊपर 1 टी-स्पून चीज छिड़कर पहले से गरम अवन में, 8 से 10 मिनट या करारा होने तक बेक कर लें। प्रत्येक ब्रेड स्लाईस को टेड़ा काटकर 4 टुकड़ो में काट लें और तुरंत परोसें।

दही वाली पनीर सब्जी

सामग्री

3/4 कप ताजा दही , 1 टी-स्पून मैदा के साथ घोला हुआ, 1 कप पनीर के टुकड़े, 1 टी-स्पून सौंफ, 1/4 टी-स्पून सरसों, 5-6 मेथी के दाने, 1 टी-स्पून कलौंजी, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1/2 टी-स्पून हींग, 1 टेबल-स्पून तेल, 1/2 कप पतले स्लाईस्ड प्याज, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, काला नमक, नमक स्वादअनुसार

सजाने के लिए: 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

सौंफ, सरसों, मेथी दाने, कलौंजी, जीरा और हींग को एक छोटे बाउल में मिलाकर एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और बीज का मिश्रण डालें। जब बीज चटकने लगे, प्याज डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट तक भूनें। पनीर, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, काला नमक डालकर हलके हाथों मिलाएं और मध्यम आंच पर बीच-बीच में हिलाते हुए 1 मिनट तक पका लें। दही-मैदा का मिश्रण और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए 1 मिनट तक पकाएं। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)